RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/2023

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -06 | अंक -62 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, शुक्रवार 15 मई 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

वीडी सतीशन होंगे केरल के नए सीएम, 10 दिन बाद कांग्रेस ने की घोषण, बोले- एक नए युग की शुरुआत होगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केरल में कई दिनों की राजनीतिक हलचल, बैठकों और अंदरूनी खींचतान के बाद आखिरकार कांग्रेस ने बड़ा फैसला ले लिया है। कांग्रेस नेतृत्व ने वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री चुन लिया है। इसके साथ ही राज्य की राजनीति में नई पीढ़ी के नेतृत्व की शुरुआत मानी जा रही है। दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं दीपादास मुंशी, मुकुल वासनिक और अजय माकन ने उनके नाम का आधिकारिक एलान किया। कांग्रेस नेताओं की तरफ से प्रेस वार्ता में बताया गया कि वीडी सतीशन राज्य के नए मुख्यमंत्री होंगे। केरल में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को वोट डाले गए थे और 4 मई को नतीजे घोषित किया गया। विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की है।

एक नए युग की शुरुआत होगी- वीडी सतीशन

केरल के मुख्यमंत्री नामित होने के बाद, वीडी सतीशन ने कहा, 'एक नए युग की शुरुआत होगी, एक नए केरल की। हम जानते हैं कि केरल की आर्थिक स्थिति नाजुक है। हमें उम्मीद है कि हम सब कुछ बदल सकते हैं। एआईसीसी के सभी नेताओं ने मुझे फोन करके बधाई दी।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे आज राज्यपाल से मिलेंगे, तो उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी पार्टी और गठबंधन के नेताओं से इस बारे में चर्चा करनी होगी।' केरल के विधानसभा चुनाव की 140 सीटों में कांग्रेस-नीत यूडीएफ गठबंधन को 102 सीटें, सीपीआईएम-नीत एलडीएफ गठबंधन को 35 सीटें और एनडीए को मात्र तीन सीटों से संतोष करना पड़ा।

मैं राहुल गांधी और अन्य लोगों का आभारी- सतीशन

केरल के भावी मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने आगे कहा कि, 'मैं इस पद को व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि ईश्वरीय आशीर्वाद मानता हूं। एआईसीसी की सभी गतिविधियों का समन्वय केसी वेणुगोपाल ने किया। उनका सहयोग अमूल्य था। रमेश चेन्निथला भी मेरे नेता हैं। मैं इन सभी को पूर्ण विश्वास में लूंगा। मैं केरल के हर वर्ग के लोगों का समर्थन चाहता हूं। एक नए केरल का निर्माण केवल सामूहिक प्रयासों से ही हो सकता है। कोई भी इसे अकेले नहीं कर सकता; एक टीम इसे हासिल कर सकती है।' उन्होंने कहा, 'मेरी पार्टी ने मुझे एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए मैं राहुल गांधी और अन्य लोगों का आभारी हूं। यूडीएफ के लाखों कार्यकर्ताओं और नेताओं ने इस चुनाव में कड़ी मेहनत की। मैं उन सभी का कृतज्ञ हूं।'

चुनाव परिणाम के 10 दिन बाद सीएम के नाम का एलान

मुख्यमंत्री पद को लेकर पिछले कई दिनों से कांग्रेस के भीतर लगातार चर्चा चल रही थी। तिरुवनंतपुरम से लेकर दिल्ली तक नेताओं की बैठकों और लॉबिंग का दौर जारी था। आखिरी समय तक यह तय नहीं माना जा रहा था कि पार्टी किस नेता पर भरोसा जताएगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी अंतिम दौर की बातचीत के लिए दिल्ली में मौजूद थे। बताया गया कि राहुल गांधी ने उनसे मुलाकात के बाद नेतृत्व का फैसला सुनाया। वहीं वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को भी राहुल गांधी ने फोन कर जानकारी दी कि मुख्यमंत्री पद की दौड़ खत्म हो चुकी है और वीडी सतीशन को चुना गया है।

सीएम पद की घोषणा से पहले तिरुवनंतपुरम पहुंचे सतीशन

मुख्यमंत्री बनाए जाने की खबर आने से पहले ही सतीशन अपने परिवार के साथ तिरुवनंतपुरम पहुंच गए थे। वह विपक्ष के नेता के तौर पर मिले सरकारी आवास पर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में समर्थक पहले से जमा थे। कांग्रेस के आधिकारिक एलान से कुछ मिनट पहले पहुंचे सतीशन बिना कुछ बोले समर्थकों के बीच से गुजरते हुए अंदर चले गए। अब सतीशन विपक्ष की राजनीति छोड़कर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने जा रहे हैं। उनके सामने सिर्फ सरकार चलाने की चुनौती नहीं होगी, बल्कि कांग्रेस को नई दिशा देने और केरल की राजनीति में नई ऊर्जा लाने की भी बड़ी जिम्मेदारी होगी। माना जा रहा है कि कांग्रेस ने यह फैसला लेकर साफ संकेत दिया है कि अब वह राज्य में युवा, आक्रामक और मीडिया में मजबूत पकड़ रखने वाले नेतृत्व के सहारे आगे बढ़ना चाहती है।

वीडी सतीशन के बारे में जानिए

कोच्चि जिले से आने वाले सतीशन इसी महीने 62 साल के होने वाले हैं। पेशे से वकील रहे सतीशन ने साल 2001 में पहली बार परवूर सीट से विधानसभा चुनाव जीतकर राजनीति में मजबूत पहचान बनाई थी। विधानसभा में अपने तेज भाषण, आंकड़ों के इस्तेमाल और विपक्ष पर तीखे हमलों के कारण वह जल्द ही कांग्रेस के प्रमुख चेहरों में शामिल हो गए। उनका सबसे बड़ा राजनीतिक उभार उस समय हुआ जब 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत यूडीएफ को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पार्टी ने उन्हें विपक्ष का नेता बनाया। शुरुआत में कई नेताओं ने उन्हें समझौते का उम्मीदवार माना था, लेकिन उन्होंने इस जिम्मेदारी को अपनी ताकत बना लिया। सोना तस्करी मामला, एआई कैमरा विवाद और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर उन्होंने लगातार पिनराई विजयन सरकार को घेरा और खुद को राज्य में सबसे आक्रामक विपक्षी नेता के रूप में स्थापित किया।

20 मंत्री सतीशन के साथ शपथ सकते हैं?

सूत्रों के अनुसार, यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि सभी 20 मंत्री सतीशन के साथ शपथ लें, जिससे मंत्रिमंडल के चरणबद्ध विस्तार की संभावना समाप्त हो जाएगी और इसके बजाय पहले ही दिन पूर्ण पैमाने पर राजनीतिक शुभारंभ का विकल्प चुना जाएगा। केरल में परंपरागत रूप से गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता शपथ समारोह के दौरान मुख्यमंत्री के साथ शपथ लेते हैं, हालांकि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को अंतिम रूप देने में हुई देरी के बाद बची हुई अनिश्चितता की जरा सी भी आशंका से बचने के लिए कांग्रेस नेतृत्व उत्सुक नजर आ रहा है। यूडीएफ जो संदेश देना चाहता है वह स्पष्ट है। अशांति समाप्त हो गई है, सरकार तैयार है और गठबंधन एकजुट है। गुरुवार शाम कांग्रेस नेता सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राजभवन पहुंचे।

पोर्टफोलियो आवंटन पर भी मंथन

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व और प्रमुख सहयोगियों, जिनमें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और केरल कांग्रेस गुट शामिल हैं, के बीच पोर्टफोलियो आवंटन और मंत्री पदों पर प्रतिनिधित्व को लेकर गहन विचार-विमर्श जारी है। सत्ता बंटवारे का व्यापक फार्मूला काफी हद तक तय हो चुका है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण विभागों और कैबिनेट के भीतर क्षेत्रीय संतुलन को लेकर अभी भी चर्चा जारी है। कांग्रेस नेतृत्व इस बात से भी अवगत है कि 102 सीटों का भारी जनादेश हासिल करने के बाद सुचारू और स्थिर शुरुआत की उम्मीदें असाधारण रूप से अधिक हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि मंत्रिमंडल गठन में किसी भी देरी से अनावश्यक अटकलों को फिर से हवा मिल सकती है, ऐसे समय में जब गठबंधन निर्णायकता और प्रशासनिक तत्परता प्रदर्शित करना चाहता है। आईयूएमएल सुप्रीमो पनक्कड़ सैय्यद सादिक अली शिहाब थंगल ने कहा, 'वी.डी सतीशन को नया मुख्यमंत्री घोषित किए जाने पर हम इस फैसले के लिए आभार व्यक्त करते हैं। हमने शुरू से ही यह स्पष्ट कर दिया था कि हम एआईसीसी नेतृत्व के फैसले का पालन करेंगे। यह सरकार अगले पांच वर्षों तक एक सच्चे 'टीम यूडीएफ' प्रशासन के रूप में कार्य करेगी। एआईसीसी उच्च कमान अंतिम निर्णय लेने वाली संस्था है और इस निर्णय पर पहुंचने से पहले उसने व्यापक विचार-विमर्श की एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन किया। नेतृत्व ने हमारे जैसे सहयोगियों के साथ एक से अधिक बार परामर्श भी किया।

जोधपुर में पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोसिंह शेखावत का मूर्ति अनावरण समारोह

भारत अब चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा, रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को आतंकवाद को लेकर दी चेतावनी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरोसिंह शेखावत लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसेवा की राजनीति के जीवंत प्रतीक थे। उनका सपना था कि राजस्थान के हर घर में खुशहाली हो, हर हाथ को काम मिले और हर व्यक्ति सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। आज देश और राजस्थान दोनों ही विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं और पूरा विश्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को स्वीकार कर रहा है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री गुरुवार को जोधपुर में पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोसिंह शेखावत के मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्व. शेखावत ने राजनीति में शुचिता, पारदर्शिता और नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर देश के उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचने की उनकी यात्रा करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन मूल्य, संस्कार, कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा सदैव समाज और राजनीति को दिशा देती रहेगी। केन्द्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय राजनीति में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की सोच की नींव भी बहुत पहले भैरोसिंह शेखावत ने रखी थी। उनका मानना था कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ होने से समय और धन दोनों की बचत होगी तथा विकास कार्यों में निरंतरता बनी रहेगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह विचार राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में भी भैरोसिंह शेखावत लोकतंत्र और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अडिग रहे। उन्होंने जीवनभर स्वयं को लोकतंत्र का सच्चा सिपाही माना। राज्यसभा के सभापति के रूप में भी स्व. शेखावत ने कई नई परंपराओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री रहते हुए स्व. शेखावत द्वारा शुरू की गई अंत्योदय योजना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई। उनका उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को संबल देना था। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे भैरोसिंह शेखावत के अंत्योदय और जनसेवा के मार्ग पर चलते हुए गांवों तक जाकर आमजन से संवाद कर रहे हैं तथा प्रदेश के विकास के नए आयाम दे रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पिछले 2 वर्षों से राजस्थान शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और आधारभूत सुविधाओं सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भजनलाल शर्मा सफल एवं कामयाब मुख्यमंत्री के तौर पर जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में प्रदेश में जहां केवल लगभग 11.68 लाख ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचा था, वहीं मार्च 2025 तक 60 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों तक जलापूर्ति सुनिश्चित की गई है, जिससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय राजनीति को सौम्यता, संवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों की दिशा दी।

स्व. शेखावत का कार्यकाल प्रदेश के विकास का स्वर्णिम अध्याय

उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के तौर पर स्व. शेखावत का कार्यकाल प्रदेश के विकास का स्वर्णिम अध्याय माना जाता है। प्रदेश को मजबूत बनाने के लिए उन्होंने जो छोटा पौधा लगाया था, जो आज वटवृक्ष के रूप में आगे बढ़ रहा है। उनकी सेवा भावना से प्रेरणा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ हमारी सरकार ने पिछले लगभग ढाई वर्षों में किसान, महिला, युवा और गरीब के कल्याण के लिए कई कदम उठाएं हैं। हमारी सरकार ने 78 लाख किसानों को ब्याज मुक्त फसली ऋण उपलब्ध करवाया। इसी तरह पीएम कुसुम योजना के तहत 67 हजार सोलर पंप लगाने के साथ ही 2 लाख 18 हजार कृषि कनेक्शन जारी किए। उन्होंने कहा कि इसी तरह महिला सशक्तीकरण की दिशा में हमारी सरकार लाडो प्रोत्साहन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना संचालित कर रही हैं। हमने 44 हजार से अधिक छात्राओं को स्कूटी और 13 लाख से अधिक छात्राओं को साइकिल वितरित की है। वहीं, 21 लाख से अधिक लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं के लिए 4 लाख सरकारी नौकरी तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार देने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में अब तक हमने सवा लाख युवाओं को सरकारी नौकरियों में नियुक्ति पत्र दिए हैं। वहीं, 1 लाख 35 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं तथा इस वर्ष के लिए सवा लाख का कैलेंडर निर्धारित किया है। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व उपराष्ट्रपति एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भैरोसिंह शेखावत को राजस्थान की वीर प्रसूता धरा का अद्वितीय विभूति पुरुष बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्म, कठोर परिश्रम, अटूट निष्ठा एवं निष्काम सेवा भाव से साधारण जीवन को असाधारण गौरव प्रदान किया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शेखावत ने समाज, प्रदेश एवं राष्ट्र को भी विकास, सुशासन एवं लोककल्याण की नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय शेखावत के प्रेरक संस्मरण आज की युवा पीढ़ी के लिए ऊर्जा, आदर्श एवं राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा के अक्षय स्रोत हैं। जोधपुर से उनके आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिमा भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा एवं संकल्प का जीवंत स्तंभ सिद्ध होगी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार का प्रत्येक जनप्रतिनिधि राजस्थान को विकास एवं जनकल्याण की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए पूर्ण समर्पण, संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व भाव से अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

चुनाव आयोग ने की दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत 19 राज्यों में एसआईआर की घोषणा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने गुरुवार को तीसरे चरण में दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र समेत तीन केंद्र शासित प्रदेशों समेत 19 राज्यों में वोटर लिस्ट का एसआईआर करने की घोषणा कर दी। इसके लिए इन सभी राज्यों में बीएलओ का वोटरों के घर जाने का सिलसिला अलग-अलग राज्य के लिए चरणबद्ध तरीके से 30 मई से शुरू होकर 14 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें दिल्ली और महाराष्ट्र में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के घर-घर जाकर उनसे फॉर्म भरवाने का काम 30 जून से शुरू होकर 29 जुलाई तक चलेगा। जबकि हरियाणा में यह 15 जून से 14 जुलाई तक रहेगा।

किन राज्यों में नहीं होगा एसआईआर

इसमें जनगणना और खराब मौसम की वजह से हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को शामिल नहीं किया गया है। यहां बाद में मौसम के अनुकूल रहने पर एसआईआर की घोषणा की जाएगी। चुनाव आयोग ने बताया कि इन 19 राज्यों की मतदाता सूचियों में 36 करोड़ 73 लाख 87 हजार 831 वोटर हैं। जिनका एसआईआर किया जाना है। एसआईआर के लिए सभी राज्यों में तीन लाख 94 हजार 541 बीएलओ को लगाया जाएगा। जबकि तमाम राजनीतिक दलों से कहा गया है कि वह भी इस कार्य में पूरी तरह से पारदर्शिता रखने के लिए अपने अधिक से अधिक बीएलए लगाए। अभी तक विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा तीन लाख 42 हजार 409 बीएलए लगाए जाने की लिस्ट दी गई है। इससे पहले एसआईआर की शुरूआत बिहार से की गई थी। फिर दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों में एसआईआर किया गया। अब तीसरे चरण में इन 19 राज्यों में एसआईआर किया जाएगा। आयोग ने बताया कि जिन राज्यों में एसआईआर करने की घोषणा की गई है। इनमें दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादर और नागर हवेली और दमन-दीव, झारखंड, कर्नाटक, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना और उत्तराखंड राज्य हैं। इनसे पहले बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, गोवा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

कब जारी किया जाएगा ड्राफ्ट

आयोग ने बताया कि इन तीसरे चरण में हो रही इस एसआईआर अभियान में 19 राज्यों को आठ अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। जिसमें दिल्ली वाले ग्रुप में दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मेघालय और झारखंड को रखा गया है। इन राज्यों में एसआईआर के लिए बीएलओ 30 जून से 29 जुलाई तक वोटरों के घर-घर जाकर एनुमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। जबकि पांच अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की जाएगी।

कब जारी होगी फाइनल वोटर लिस्ट

शिकायतों को करने का समय पांच अगस्त से चार सितंबर तक रहेगा और सात अक्टूबर 2026 को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी जाएगी। इन राज्यों के लिए एक अक्टूबर 2026 को 18 साल के होने वाले नौजवान भी वोटर बनने के लिए अप्लाई कर सकेंगे। जबकि हरियाणा वाले ग्रुप में हरियाणा के अलावा आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और चंडीगढ़ को रखा गया है। इन राज्यों के लिए बीएलओ 15 जून से 14 जुलाई तक मतदाताओं के घर-घर जाएंगे। 21 जुलाई को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होगी। शिकायतों को करने का समय 21 जुलाई से 20 अगस्त तक का रहेगा और 22 सितंबर को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

किशनगढ़ से दिल्ली जा रही कार ट्रेलर से टकराई, एक की मौत, चार घायल, दिल्ली से थाईलैंड ट्रिप पर जा रहे थे युवक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर इंदरपुर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार कार सवार सभी युवक किशनगढ़ से दिल्ली एयरपोर्ट के लिए जा रहे थे, जहां से उन्हें थाईलैंड के लिए रवाना होना था। बताया जा रहा है कि सभी युवक एक मोबाइल कंपनी से जुड़े हुए थे और कंपनी की तरफ से विदेश यात्रा पर जा रहे थे। लेकिन एक्सप्रेसवे के चैनल नंबर 87.50 के पास कार अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकरा गई। घटना के बाद एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को बड़ौदा मेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। अस्पताल के ड्यूटी इंचार्ज आशीष गोस्वामी ने बताया कि जांच के बाद मनीष कुमार (40), निवासी किशनगढ़ को मृत घोषित किया गया। शव को गोविंदगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। गंभीर रूप से घायल भानु प्रताप, राजेश, अजय और कमलेश को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आगे चल रहे वाहन से टकराने को हादसे का कारण माना जा रहा है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित हुआ, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

रामगढ़ में महिला से मारपीट व छेड़छाड़ मामले में धरना प्रदर्शन, गिरफ्तारी न होने पर ग्रामीणों में आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़ के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना के विरोध में गुरुवार को पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने कस्बे में रैली निकालकर तहसील रंगमंच पर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कस्बे के सर्व समाज के युवक-युवतियां, महिलाएं और पूर्व सैनिक भी शामिल हुए। धरना स्थल पर लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने में असफल रही है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं और राजीनामा करने का दबाव बना रहे हैं। इस स्थिति से परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की अपील की। मौके पर माहौल तनावपूर्ण लेकिन शांतिपूर्ण रहा। रामगढ़ थाना अधिकारी अजीत सिंह बड़सरा ने बताया कि पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी आरोपियों के खिलाफ जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी घटना के बाद से फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर केमिकल टैंकर पलटा, चालक की मौके पर मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर राजगढ़ थाना क्षेत्र में देर रात एक केमिकल से भरा टैंकर असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। चालक का शव टैंकर के पास क्षत-विक्षत हालत में मिला, जिससे घटना स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही राजगढ़ थाना पुलिस और नगर पालिका कर्मी जुगनू तंबोली की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर शव को कब्जे में लिया और राजगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। राजगढ़ थाने के हेड कांस्टेबल मनोहर लाल ने बताया कि देर रात थाने पर सूचना मिली थी कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के चैनल नंबर 127.5 पर एक केमिकल से भरा टैंकर पलट गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान चालक का शव टैंकर के पास बुरी तरह क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। पुलिस ने मृतक की पहचान धीरज कुमार मीणा निवासी के रूप में की। परिजनों के राजगढ़ सीएचसी पहुंचने के बाद गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उन्हें सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक कोटा से टैंकर में केमिकल भरकर भिवाड़ी की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर टैंकर असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि चालक को संभलने का मौका तक नहीं मिला। नगर पालिका कर्मी जुगनू तंबोली ने बताया कि पुलिस से सूचना मिलने पर उनकी टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने का काम किया। उन्होंने बताया कि टैंकर में संभवतः तेजाब भरा हुआ था, जिसकी चपेट में आने से चालक गंभीर रूप से झुलस गया था। शव को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना के बाद कुछ समय तक एक्सप्रेसवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

जनसुनवाई में अवैध खनन और मिट्टी दोहन रोकने की उठी मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

कस्बे में आयोजित उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में अवैध खनन और मिट्टी दोहन पर रोक लगाने की मांग को लेकर जागरूक पत्रकार गिरिराज प्रसाद सोलंकी ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के टोड़ा, मकरेटात, अरोली, धोलागढ़, साहड़ी, भनोखर, बुटोली घाट, चिमरावली सहित कई स्थानों पर ब्लास्टिंग कर अवैध खनन किया जा रहा है। इससे मानव जीवन के साथ-साथ पशु-पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ब्लास्टिंग के दौरान पशु-पक्षियों की जान तक चली जाती है और क्षेत्र का पर्यावरण लगातार प्रभावित हो रहा है। अवैध खनन में लिप्त कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं और पत्थरों की अवैध निकासी तथा मिट्टी दोहन का कार्य खुलेआम जारी है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जिले से केंद्रीय मंत्री और राज्य मंत्री होने के बावजूद अवैध खनन पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। पूर्व में भी इस संबंध में जिलाधीश, वन विभाग और उपखंड कार्यालय को कई बार सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ज्ञापन के माध्यम से अवैध खनन पर शीघ्र रोक लगाने, जिम्मेदार अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

सरकारी तंत्र का मजाक: आदेशों को ठुकराकर 'कार्य व्यवस्था' का खेल, पशुपालन विभाग में अनर्थ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

कार्यालय संयुक्तनिदेशक, पशुपालन विभाग, अलवर (राज0)
पशुधन भवन, भवानी तोप चौराहा के पास अलवर 301001
दूरभाष :– 0144–2941764 ई–मेल:–ddah_alwar@yahoo.co.in
क्रमांक: स्था / 2023–24 / 3971 दिनांक: 19-03-2026

कार्यालय आदेश

एलएचडीसीपी अन्तर्गत एफएमडी टीकाकरण एवं कृ.ग. कार्य के मध्यनजर, स्वयं के प्राथना पत्र में समस्त निर्धारित लक्ष्य अर्जित करने के आश्वासन पर मन्जू कुमारी पशुधन निरीक्षक, कार्यालय हाजा को पशु चिकित्सा उपकेन्द्र, हाजीपुर में कार्यव्यवस्थार्थ कार्य संपादन किया जाने निर्देशित किया जाता है।

प्रभारी पशु चिकित्सा उपकेन्द्र हाजीपुर से संस्था का समस्त चार्ज प्राप्त कर रिपोर्ट इस कार्यालय में को प्रस्तुत करे।

(डॉ. रमेश चंद मीना)
संयुक्त निदेशक
पशुपालन विभाग, अलवर

क्रमांक: 3972-76 दिनांक: 19-03-2026
प्रतिलिपिः– सूचनार्थ प्रेषित है:–
1. सम्भागीय अतिरिक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, जयपुर।
2. ब्लॉक नोडल अधिकारी उमरैन।
3. प्रभारी प.चि.उ.के. हाजीपुर।
4. मन्जू कुमारी पशुधन निरीक्षक, कार्यालय हाजा।
5. निजी पत्रावली।

संयुक्तनिदेशक

सरकारी विभागों में 'कार्य व्यवस्था' के नाम पर जो खेल खेला जा रहा है, वह न सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि सरासर अवैध और भ्रष्टाचार की बू आती है। जिले के कई कार्यालयों में कर्मचारी अपनी सुविधा के मुताबिक पोस्टिंग करवा रहे हैं, वेतन मूल जगह से उठा रहे हैं और प्रशासन आँखें मूंदे बैठा है। यह कोई छोटी-मोटी गड़बड़ी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम का मखौल उड़ाने वाला घोटाला है। ताजा किस्सा पशुपालन विभाग का है, जहां नियम-कानून सबको ताक पर रखकर 'परिवीक्षा काल' वाली कर्मचारी को पसंदीदा जगह पर बिठा दिया गया।

संयुक्त निदेशक, अलवर पशुपालन विभाग ने आदेश क्रमांक 3971, दिनांक 19 मार्च 2026 जारी करके पशुधन निरीक्षक मंजू कुमारी को कार्य व्यवस्था के तहत हाजीपुर केंद्र पर पदस्थापित कर दिया। शानदार! एक तरफ तो केंद्र पर पहले से रिचा कुमारी कार्यरत थीं, उन्हें हटाकर चार्ज नई वाली को सौंप दिया गया। खास बात यह कि इस केंद्र पर केवल एक ही पद स्वीकृत है। मतलब, एक कुर्सी पर दो खिलाड़ी? यह तो सरकारी गणित है, जो आम आदमी की समझ से परे है। सबसे मजेदार हिस्सा यह है कि कार्य व्यवस्था के आदेश में लिखा गया कि मंजू कुमारी ने खुद प्रार्थना पत्र देकर वादा किया है कि वह 'सभी लक्ष्य अर्जित कर लेंगी'। वाह! क्या कोई भी कर्मचारी प्रार्थना पत्र देकर अपनी पसंद की जगह मांग लेगा और अधिकारी तुरंत आदेश जारी कर देंगे? फिर तो पूरी सरकारी मशीनरी 'मैं जहां चाहूं, वहां काम करूं' वाली हो जाएगी। निष्पक्षता, मेरिट, पारदर्शिता–ये सब शब्द तो किताबों में ही सजकर रह गए। और तो और, पशुपालन विभाग के निदेशक ने अगस्त 2024 में ही साफ-साफ निर्देश जारी कर दिए थे कि किसी भी कर्मचारी की कार्य व्यवस्था न की जाए। फिर भी इन आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। संयुक्त निदेशक ने बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के आदेश जारी कर दिया। सूत्र बताते हैं कि रिचा कुमारी की उपस्थिति संयुक्त निदेशक कार्यालय में दर्ज हो रही है, जबकि उनका मूल पद हाजीपुर ही है। यानी गैर-हाजिर रहकर भी हाजिर दिखाना–सरकारी जादू!

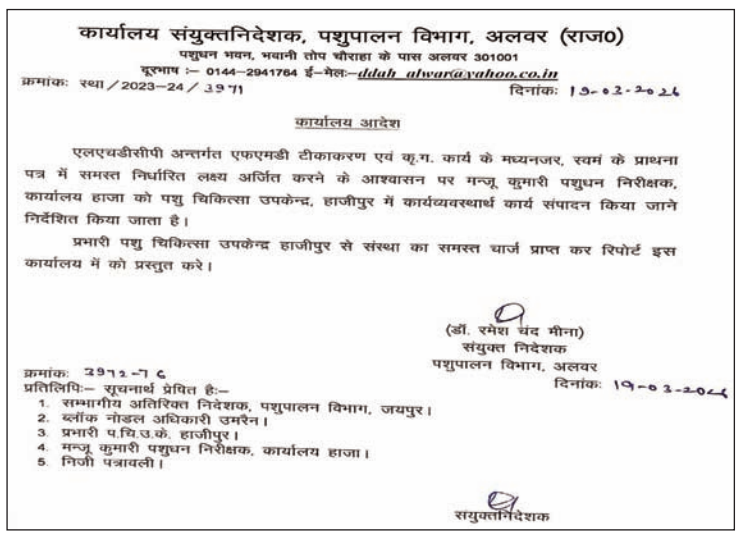

कानूनी पहलू: नियम तोड़ना महंगा पड़ सकता है

राजस्थान सिविल सेवा नियमों (Rajasthan Service Rules, 1951) और Rajasthan Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1958 के तहत कार्य व्यवस्था (work arrangement) या डेपुटेशन जैसी व्यवस्था सक्षम अधिकारी की अनुमति, जरूरी शर्तों और सहमति के आधार पर ही हो सकती है। सामान्यतः डेपुटेशन में कर्मचारी की सहमति, NOC और स्पष्ट अवधि जरूरी होती है। बिना उच्च स्तर की अनुमति के स्थानीय स्तर पर ऐसे आदेश जारी करना प्रशासनिक अनुशासन का उल्लंघन है

न्यायालयों ने कई मामलों में कहा है कि बिना सहमति या नियमों के विरुद्ध स्थानांतरण/ कार्य व्यवस्था अवैध है। एक पद पर दो लोगों को बिठाना पदों के स्वीकृत ढांचे (sanctioned strength) का स्पष्ट उल्लंघन है, जो वित्तीय अनियमितता भी पैदा करता है। वेतन मूल पद से निकालना और काम दूसरी जगह–यह सरकारी धन का दुरुपयोग माना जा सकता है। देवी सिंह शेखावत द्वारा विधानसभा में उठाए गए सवाल के बाद जिला कलक्टर ने सभी विभागों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है–कौन कर्मचारी कहां, कब से, कितने समय के लिए कार्य व्यवस्था पर है। उम्मीद है कि यह जांच सिर्फ कागजी न हो।

यह मामला केवल पशुपालन विभाग तक सीमित नहीं। ब्लॉक से जिला स्तर तक कर्मचारी अपनी सुविधा के अनुसार 'कार्य व्यवस्था' में जमे हुए हैं। वेतन मूल जगह से, काम अपनी मर्जी से–यह तो सरकारी नौकरी को 'आरामगाह' बना देने वाला सिलसिला है। आमजन की करों से मिलने वाला वेतन इन 'सुविधाभोगी' कर्मचारियों की पसंद पूरी करने में खर्च हो रहा है। लक्ष्य पूरे करने का वादा करके पोस्टिंग लेना? हंसी आती है। क्या हर अधिकारी इसी आधार पर आदेश जारी करेगा? फिर तो मेरिट की जगह 'प्रार्थना पत्र' और 'सिफारिश' चलने लगेगी।

प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब निदेशक के स्पष्ट आदेशों की अनदेखी हो रही हो, तो निचले स्तर पर अनुशासन कैसे बनेगा? यह न सिर्फ विभागीय साख को नुकसान पहुंचा रहा है बल्कि पशुपालन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं–जिनसे किसानों, पशुपालकों का सीधा संबंध है–की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित कर रहा है।

जिला कलक्टर की जांच से उम्मीद है कि कई और 'कार्य व्यवस्था' के बड़े खेल सामने आएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या फिर फाइलें दबकर रह जाएंगी? सरकारी तंत्र को जनता के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। वरना ऐसे खेल जारी रहेंगे और 'सेवा भाव' का ढोंग चलता रहेगा।

यह घटना साबित करती है कि कागजी आदेशों और वास्तविकता में कितना बड़ा अंतर है। यदि सिस्टम को सुधारना है तो नियमों का सख्ती से पालन, पारदर्शी प्रक्रिया और दोषियों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। अन्यथा 'कार्य व्यवस्था' का यह खेल सरकारी मशीनरी को और कमजोर करता रहेगा।

मालीबास में सड़क पर भरा गंदा पानी, राहगीर परेशान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

ग्राम पंचायत हरसाना के गांव मालीबास में सैनी मोहल्ले को जाने वाले रास्ते पर गंदा पानी भरने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर लगातार जलभराव रहने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का निकलना मुश्किल हो गया है। क्रान्ति महिला मंच, इबितदा संस्था और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार जाटव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत सचिव प्रिन्स गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि रास्ते में भरे गंदे पानी से बदबू फैल रही है और कीचड़ के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। लगातार सीलन के कारण आसपास के मकानों को भी नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि दीवारों में दरारें आने लगी हैं और मकान गिरने का भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द जल निकासी की व्यवस्था कर स्थायी समाधान की मांग की है। इस दौरान वरीशा खान, ताराचंद, गीता देवी, सलीमन, रीना, विद्या, फूलबती सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

देर रात नकाबपोशों ने ज्वेलर्स की दुकान पर बोला धावा, 4 लाख के आभूषण चोरी, हवाई फायरिंग से मचाया डर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजगढ़ थाना क्षेत्र के दिगावड़ा गांव में बुधवार देर रात नकाबपोश बदमाशों ने एक ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। करीब 8 से 10 बदमाश शटर तोड़कर दुकान में घुसे और लगभग 4 लाख रुपए के आभूषण चोरी कर लिए। हालांकि परिजनों की सतर्कता के चलते जेवरातों से भरी तिजोरी बच गई। घटना के समय दुकान के ऊपर बने मकान में परिवार के सदस्य सो रहे थे। देर रात शटर तोड़ने की आवाज सुनकर परिजन जाग गए। नीचे आकर देखा तो कई नकाबपोश बदमाश दुकान के भीतर घुसे हुए थे। परिजनों ने साहस दिखाते हुए बदमाशों पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए, जिससे बदमाश घबरा गए। पीड़ित भुवनेश सोनी ने बताया कि यह दुकान उनके भाई नरेंद्र सोनी की है। बदमाश दुकान में रखे जेवरात अपने बैग में भर चुके थे और तिजोरी भी ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन परिजनों के विरोध के कारण वे तिजोरी छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। इस दौरान बदमाशों ने परिवार को डराने के लिए हवाई फायरिंग भी की। गोली चलने से इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हवाई फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मुकेश सोनी ने बताया कि घटना की सूचना तुरंत राजगढ़ थाना पुलिस को दी गई, लेकिन पुलिस करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। गुरुवार को भी पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिवार के लोगों से बातचीत कर पूरी घटना की जानकारी ली। पुलिस बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। राजगढ़ थाना अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि देर रात सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

बीए प्रथम वर्ष प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 22 मई तक बढ़ी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजकीय महाविद्यालय मालाखेड़ा में बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 22 मई तक बढ़ा दी गई है। अब विद्यार्थी 22 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्राचार्य डॉ. रवि कुमार विजय ने बताया कि प्रवेशार्थी ई-मित्र के माध्यम से अपनी एसएसओ आईडी से लॉगिन कर एचटीई पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत करें। पोर्टल पर प्रवेश नीति और अन्य आवश्यक जानकारियां भी उपलब्ध हैं। प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. रेनू शर्मा ने बताया कि आवेदन करते समय सभी प्रमाण पत्र, फोटो, हस्ताक्षर और अन्य दस्तावेज सही तरीके से जांचकर ही अपलोड करें। नाम, माता-पिता का नाम और जन्मतिथि बोर्ड अंकतालिका के अनुसार ही दर्ज होनी चाहिए। आधार कार्ड, जनाधार, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र और अंकतालिकाओं में दर्ज जानकारी एक समान होना जरूरी है। बोनस अंक के लिए संबंधित प्रमाण पत्र आगे-पीछे से स्कैन कर अपलोड करना अनिवार्य है। अपूर्ण, फोटो रहित और हस्ताक्षर रहित आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। ओबीसी, एमबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए तीन वर्ष से पुराने प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को नया प्रमाण पत्र बनवाकर ही आवेदन करना होगा, अन्यथा आरक्षण लाभ नहीं मिलेगा।

रामगढ़ में आवारा कुत्तों के हमले से घायल नीलगाय, ग्रामीणों ने बचाकर कराया उपचार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

क्षेत्र के अलावड़ा गांव के गुर्जर मोहल्ले में गुरुवार को आवारा कुत्तों के झुंड ने एक नीलगाय पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए नीलगाय को कुत्तों के चंगुल से बचाया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर प्राथमिक उपचार कराया। जानकारी के अनुसार, नीलगाय कुत्तों से बचने के प्रयास में रिहायशी इलाके में घुस गई थी। इसी दौरान कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और हमला कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर और मौके पर पहुंचकर कुत्तों को भगाया और घायल नीलगाय को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उसकी देखभाल शुरू की। ग्रामीणों ने उसके लिए चारा-पानी की व्यवस्था भी की। घटना की सूचना पर वन विभाग को भी जानकारी दी गई। वन विभाग के रेंजर चिरंजी ने बताया कि नीलगाय का स्थानीय स्तर पर उपचार कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों की देखरेख के बाद नीलगाय के स्वस्थ होने पर उसे सुरक्षित रूप से उसके झुंड में वापस छोड़ दिया जाएगा। इस दौरान गांव के कई लोग मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने मिलकर नीलगाय की जान बचाने में सहयोग किया। ग्रामीणों की तत्परता और संवेदनशीलता के चलते एक बड़ी अनहोनी टल गई और घायल नीलगाय को समय पर उपचार मिल सका।

अलवर में सौर ऊर्जा से बदली किसानों की तकदीर, बंजर जमीन बनी 'सोना उगलने वाली धरती'

किसान अब अन्नदाता के साथ ऊर्जा दाता भी बने

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर जिले में किसान अब केवल खेती तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कड़ी धूप में खेतों में मेहनत कर जहां वे अन्न पैदा कर देश की खाद्य जरूरतें पूरी कर रहे हैं, वहीं अब उसी धूप से बिजली बनाकर ऊर्जा क्षेत्र में भी योगदान दे रहे हैं। पीएम कुसुम योजना के तहत लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्र किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ बिजली आपूर्ति को भी मजबूत कर रहे हैं। इस योजना ने बंजर और अनुपजाऊ जमीन को भी लाभकारी संसाधन में बदल दिया है।

जिले में 13 स्थानों पर स्थापित सोलर प्लांट

डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता आरएस बंसल के अनुसार अलवर जिले में वर्तमान में 13 स्थानों पर किसानों ने सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। ये संयंत्र टहला, रैणी, चिकानी, मालाखेड़ा, बगड़मेव, खेरली, लक्ष्मणगढ़ और प्रतापगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगाए गए हैं। इनमें अधिकांश प्लांट 2-2 मेगावाट क्षमता के हैं। इन संयंत्रों के माध्यम से किसान अपनी जमीन पर बिजली उत्पादन कर रहे हैं और उसे सीधे विद्युत निगम को बेच रहे हैं।

प्रतिदिन 23 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन

इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से जिले में प्रतिदिन लगभग 23.32 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। यह बिजली सीधे ग्रिड में भेजी जा रही है, जिससे बिजली निगम की उपलब्धता में वृद्धि हुई है। एक मेगावाट में लगभग 500 यूनिट बिजली की गणना के अनुसार प्रतिदिन हजारों यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। इससे न केवल बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत हो रही है, बल्कि पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता भी कम हो रही है।

किसानों को प्रतिदिन हजारों रुपये की आय

सौर ऊर्जा उत्पादन के बदले किसानों को विद्युत निगम द्वारा प्रति यूनिट 2.80 रुपये से लेकर 3.14 रुपये तक का भुगतान किया जा रहा है। इस व्यवस्था से किसानों को प्रतिदिन लगभग 35 से 36 हजार रुपये की आय हो रही है। कुल मिलाकर इन 13 सोलर प्लांटों से किसानों की मासिक आय लाखों रुपये तक पहुंच रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है।

किसानों की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव

पहले जहां किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन पाने में वर्षों का इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब वही किसान बिजली उत्पादक बन गए हैं। अलवर के किसानों का कहना है कि पीएम कुसुम योजना ने उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह बदल दी है। अब वे न केवल कृषि से आय कमा रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर भी स्थायी आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

किसानों की सफलता की मिसाल

टहला क्षेत्र के तालाब गांव निवासी शक्ति सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी 8 बीघा जमीन पर सोलर प्लांट स्थापित किया है। इस संयंत्र से उन्हें हर महीने लगभग 4 लाख रुपये की आय हो रही है। उन्होंने बताया कि पहले यह जमीन कम उपजाऊ थी, लेकिन अब यह नियमित आय का बड़ा स्रोत बन गई है।

सोलर ऊर्जा से पर्यावरण संरक्षण को भी लाभ

किसानों का कहना है कि सौर ऊर्जा न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण में भी मदद करती है। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा सोलर पैनलों के नीचे खाली जगह में सब्जी जैसी फसलें भी उगाई जा सकती हैं, जिससे किसानों की अतिरिक्त आय और बढ़ जाती है।

बंजर जमीन से समृद्धि की ओर कदम

अलवर जिले में पीएम कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा संयंत्रों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादक बनकर भी देश की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। यह मॉडल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है, जहां बंजर जमीन को आय के साधन में बदला जा सकता है।

15 मई को ग्राम रथों का रहेगा यह रूट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने बताया कि जिले में संचालित ग्राम रथ अभियान के तहत 15 मई को विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा रात्रि चौपालों का आयोजन कर आमजन की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत देहलावास, जालपिवास, टेहडकी, टेहडका, सबलगढ़ गांवों में ग्राम रथ के माध्यम से राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही रानोठ में रात्रि चौपाल आयोजित होगी। तिजारा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नानगहेड़ी, ग़ैलपुर, लाडमका, खोहरीकलां, पथरेड़ी गांवों में ग्राम रथ पहुंचेगा तथा आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।साथ ही ग्वालदा में रात्रि चौपाल आयोजित होगी। किशनगढ़बास विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत तितरका, फैजपुर, खोजा का बास, हुसैपुर, कुटियापुर गांवों में ग्राम रथ द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा मुसाखेड़ा में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

शिक्षकों की विभिन्न मांगों लेकर उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ खण्ड ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षकों की विभिन्न मांगों के सन्दर्भ में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर क्रमबद्ध आंदोलन का आगाज किया। खण्ड मंत्री हजारी लाल मीना ने बताया कि जिला पर्यवेक्षक विशाल यादव जिला अध्यक्ष खैरथल तिजारा व खण्ड अध्यक्ष राजेश यादव के नेतृत्व में शिक्षकों की वेतन विसंगति , तृतीय श्रेणी अध्यापकों की पदोन्नति, नव क्रमोन्नत विद्यालय में स्टाफिंग पैटर्न से नये पदों की वित्तीय स्वीकृति, सभी संवर्गों के स्थानांतरण , ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती,प्रधानाध्यापक अवकाश में कटौती, एवं संविदा शिक्षकों को नियमित करने जैसी लोक हित मांगों को के समर्थन में उपखंड अधिकारी संजीव कुमार वर्मा को मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन दिया।इस अवसर पर राजेश यादव पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, प्रदीप मीणा,कृष्ण भाटिया, भूपेन्द्र कुमार , सत्यप्रकाश ,मनोज, सुभाष चन्द, विजय,शशिकांत शर्मा,हेमंत, कमल योगी,पवन, परवेज सहित खण्ड ,जिला कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहे।

जरौली पुलिस ने 15 हजार के इनामी कुख्यात चोर को दबोचा, एक साल से पहचान छुपाकर काट रहा था फरारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जरौली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 हजार रुपए के इनामी वांछित आरोपी मुबारिक उर्फ मुब्बा को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। आरोपी चोरी, लूट और डकैती जैसे करीब एक दर्जन मामलों में पहले भी जेल जा चुका है। थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मुबारिक उर्फ मुब्बा पुत्र फुल मोहम्मद निवासी पचंगांव, थाना तावडू सदर, जिला नूंह (मेवात) थाना शेखपुर अहीर में दर्ज बकरी चोरी के मामले में वांछित था। आरोपी पर पुलिस ने 15 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब एक साल से अलग-अलग वाहनों पर ड्राइवरी कर फरारी काट रहा था। वह अपना नाम और पता बदलकर गाड़ियों पर चालक का काम करता था ताकि पुलिस उसकी पहचान नहीं कर सके। आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहा था, जिससे उसे पकड़ना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। डीएसपी शिवराज सिंह के निर्देशन में थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने विशेष टीम का गठन किया। टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना शेखपुर अहीर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि 10 अप्रैल 2025 को हाजी बस्सर पुत्र कीडू मेव निवासी हमीराका शेखपुर अहीर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि बारिश होने के कारण उसने रात में अपनी 40 बकरियां बाड़े में बंद कर दी थीं। सुबह करीब 6 बजे देखने पर 8 बकरियां गायब मिलीं। आसपास पूछताछ करने पर पड़ोसी रसीद ठेकेदार ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे एक सिल्वर रंग की सैंट्रो कार इलाके में कई चक्कर लगाती दिखाई दी थी, जिसके पीछे बॉडी बिल्डर का फोटो लगा था। सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य वारदातों के बारे में जानकारी जुटा रही।

तिजारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी और गौतस्करी के दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा थाना पुलिस ने चोरी और गौतस्करी के मामलों में फरार चल रहे दो वांछित इनामी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय द्वारा 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। थानाधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि क्षेत्र में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम का गठन किया गया और अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पहला आरोपी मुन्ना पुत्र रफीक कसाई उम्र 38 वर्ष निवासी गांव रहना, थाना सदर नूंह मेवात (हरियाणा) है। आरोपी गौतस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ गो तस्करी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने लगातार निगरानी और सूचना तंत्र को सक्रिय रखते हुए आरोपी को दबोच लिया। वहीं दूसरा आरोपी राशीद उर्फ रसीद पुत्र बुद्ध कसाई उम्र 50 वर्ष निवासी मुल्थान, थाना नगीना, जिला नूंह मेवात (हरियाणा) को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ 10 बकरी चोरी करने का मामला दर्ज था और वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस काफी समय से उसकी तलाश कर रही थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी जयप्रकाश ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी अन्य आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा।

MLP ग्रुप ऑफ स्कूल्स का CBSE 12वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

MLP ग्रुप ऑफ स्कूल्स के विद्यार्थियों ने CBSE 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। छात्रों ने शानदार अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को साबित किया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा तथा विद्यार्थियों और अभिभावकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की छात्रा दिया पुत्री उम्मेद ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं विधि पुत्री जितेंद्र कुमार ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। जानवी पुत्री कैलाश और अंशिका पुत्री दिनेश ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा निक्की पुत्री सुरेंद्र ने 96.2 प्रतिशत, नव्या पुत्री उपेन्द्र ने 95.6 प्रतिशत तथा मुस्कान पुत्री हैप्पी ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। नेहा पुत्री सुभाष ने 95.2', सुहानी पुत्री टीनूलाल ने 93.6 प्रतिशत, महक पुत्री सुनील ने 93.4 प्रतिशत तथा सिमरन कौर पुत्री त्रिलोक सिंह ने 93 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं मनीषा पुत्री बीर सिंह, यश पुत्र ओमपाल और महक पुत्री पवन ने भी 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इसके अतिरिक्त निखिल पुत्र रविन्द्र सिंह ने 92.8 प्रतिशत, रिया पूनी इन्द्रपाल ने 92.8 प्रतिशत, दक्ष पुत्र सुरेश ने 92 प्रतिशत तथा वेदांत पुत्र बिन्दर सिंह ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अनुष्का पुत्री राजबीर और रिया पुत्री सुधीर ने 91.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं अंजली पुत्री रविंदर और अनीषा पुत्री प्रकाश ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। दीपिका पुत्री सुनील ने 90.8 प्रतिशत, मोनिका पुत्री राजू सैनी और पारस पुत्र रविंदर ने 90.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सत्यम शिवम पुत्र राजीव ने 90.4 प्रतिशत, दीक्षांत पुत्र महावीर ने 90 प्रतिशत, ध्रुव पुत्र धर्मवीर ने 90 प्रतिशत तथा चारु पुत्री विजेन्द्र ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। विद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की।

विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पण का ही परिणाम है कि विद्यालय हर वर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के साथ बुलाकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को नोटों की माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही स्टाफ सदस्यों को भी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यालय के चेयरमैन ए.के. शर्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर पी.के. शर्मा, वाइस चेयरमैन अजय भारद्वाज तथा एचआर हेड अंकुर वशिष्ठ ने आगामी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए नगद पुरस्कार देने की घोषणा कर छात्रों का मनोबल बढ़ाया।

भिवाड़ी के उद्योगों ने सरकार के सामने रखीं समस्याएं

बिजली-प्रदूषण और इंफ्रास्ट्रक्चर पर उठाए मुद्दे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भिवाड़ी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (बीआईआईए) के अध्यक्ष प्रवीण लांबा के नेतृत्व में उद्योग प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर भिवाड़ी एवं आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। बैठक में औद्योगिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, बिजली व्यवस्था, अग्निशमन सुविधाएं और आधारभूत ढांचे से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला, डिस्कॉम्स राजस्थान की अध्यक्ष एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक आरती डोगरा और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रपाल के समक्ष उद्योगों से संबंधित विभिन्न समस्याओं और सुझावों को विस्तार से रखा। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के साथ हुई बैठक में केहरानी-चोपांकी क्षेत्र में प्रस्तावित साझा अपशिष्ट शोधन संयंत्र एवं ठोस अपशिष्ट निस्तारण परियोजना का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। उद्योग प्रतिनिधियों ने परियोजना की पारदर्शिता, तकनीकी व्यवहारिकता और वास्तविक भूधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि उद्योग पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, लेकिन परियोजनाओं को व्यावहारिक और पारदर्शी तरीके से लागू किया जाना चाहिए। उद्योग प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान परियोजना स्थल तकनीकी और भौगोलिक दृष्टि से उपयुक्त नहीं दिखाई देता, जिससे भविष्य में जलभराव, पंपिंग और संचालन लागत जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। उन्होंने परियोजना का तकनीकी पुनर्मूल्यांकन कर इसे औद्योगिक क्षेत्र के मध्य भाग में विकसित करने का सुझाव दिया। बैठक में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप उद्योग श्रेणीकरण, संचालन सहमति जारी करने में देरी, फ्लो मीटर नोटिसों से होने वाली परेशानियों और स्वच्छ ईंधन परिवर्तन प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग भी उठाई गई। रीको के साथ हुई बैठक में सर्कल रेट, रिटेंशन चार्ज, स्टाम्प ड्यूटी और अन्य शुल्कों में वृद्धि से उद्योगों पर पड़ रहे अतिरिक्त आर्थिक भार का मुद्दा उठाया गया। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि पर्यावरणीय प्रतिबंधों और प्रशासनिक देरी के कारण उद्योग पहले ही प्रभावित हैं, ऐसे में शुल्कों में वृद्धि उद्योगों के लिए चिंता का विषय है। इसके अलावा भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में अग्निशमन सुविधाओं की कमी को गंभीर समस्या बताते हुए आधुनिक अग्निशमन वाहनों, नए फायर स्टेशन और त्वरित अग्निशमन प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित करने की मांग की गई। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के साथ हुई बैठक में 132 केवी नीलम चौक ग्रिड उपकेंद्र के उन्नयन, चोपांकी और कारोली ग्रिड पर ओवरलोडिंग की समस्या, नए 220 केवी ग्रिड उपकेंद्र की स्थापना तथा भूमिगत विद्युत लाइनों के लिए फॉल्ट लोकेटिंग मशीन उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। प्रतिनिधिमंडल में बीआईआईए के मानद सचिव हरीश गौर , सुरेश अग्रवाल और इंदरपाल शर्मा भी शामिल रहे।

रसगन में बड़ा हादसा टलाः बच्चों से भरी स्कूल बस बिजली की डीपी से टकराई, चार बच्चे थे सवार

स्कूल प्रबंधन की लापरवाही ने मासूमों की जान को डाला खतरे में, विद्युत लाइन ट्रिप होने से टला बड़ा हादसा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

उपखंड क्षेत्र के रसगन गांव में गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मैक्सफोर्ड स्कूल की बच्चों से भरी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी बिजली की डीपी से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे के समय बस में चार स्कूली बच्चे सवार थे, जिन्हें ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस तेज रफ्तार में थी। अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया और बस सीधे बिजली के पोल व ट्रांसफार्मर से जा भिड़ी। टक्कर के साथ ही जोरदार आवाज सुनाई दी, जिससे आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। बस में बैठे बच्चे डर के कारण जोर-जोर से रोने लगे। ग्रामीणों और राहगीरों ने बिना देर किए बस के अंदर फंसे बच्चों को बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।ग्रामीणों का कहना है कि हादसे के दौरान विद्युत लाइन ट्रिप हो गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। लोगों का कहना है कि यदि करंट प्रवाहित रहता तो स्थिति बेहद भयावह हो सकती थी और बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती थी।

चालक का खुलासा, पहले से खराब थे बस के ब्रेक

घटना के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया जब बस चालक ने बताया कि बस के ब्रेक पहले से खराब थे। चालक के अनुसार उसने कई बार स्कूल प्रबंधन को बस की खराब स्थिति की जानकारी दी थी, लेकिन इसके बावजूद बच्चों से भरी बस को सड़क पर उतार दिया गया। चालक के इस खुलासे के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन बच्चों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। बिना फिटनेस जांच और खराब हालत में स्कूल बसों का संचालन किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते बस की मरम्मत करवाई जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

मौके पर पहुंची पुलिस, लोगों में आक्रोश

घटना की सूचना मिलते ही खैरथल थाना अधिकारी रामकिशन यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और भीड़ को नियंत्रित किया। हादसे के बाद काफी देर तक मौके पर ग्रामीणों और अभिभावकों की भीड़ जमा रही। ग्रामीणों ने दोषी स्कूल प्रबंधन और संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। वहीं प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच की बात कही जा रही है।

आरबीएस स्कूल जोनियावास का सीबीएसई 12वीं परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

आरबीएस स्कूल जोनियावास का केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा परिणाम इस वर्ष शत-प्रतिशत और बेहद शानदार रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की।

विद्यालय प्रबंधन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। विद्यालय की छात्रा दृष्टि, पुत्री देवेन्द्र कुमार ने मेडिकल संकाय में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं बबली, पुत्री रामजीत ने नॉन मेडिकल संकाय में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा संगीता, पुत्री सोमिया प्रकाश रावत ने मेडिकल संकाय में 95 प्रतिशत तथा गौतम वशिष्ठ, पुत्र श्री आनंद कुमार ने कॉमर्स संकाय में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

विद्यालय के अन्य मेधावी विद्यार्थियों में निकिता ने आर्ट्स में 93 प्रतिशत, साक्षी ने कॉमर्स में 93 प्रतिशत, पायल ने आर्ट्स में 93 प्रतिशत, अंजली राव ने आर्ट्स में 92 प्रतिशत, लक्ष्य ने कॉमर्स में 92 प्रतिशत, मीनाक्षी और दिगंबर सिंह ने आर्ट्स में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

वहीं अर्चना ने मेडिकल में 89 प्रतिशत, भूमिका ने कॉमर्स में 89 प्रतिशत, पिंकी ने आर्ट्स में 89 प्रतिशत, प्रशांत कुमार और भाविश्या ने कॉमर्स में 88 प्रतिशत अंक हासिल किए। अनुराग कुमार यादव और गौरव ने कॉमर्स में 87 प्रतिशत तथा सुमित स्वामी ने नॉन मेडिकल में 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि आरबीएस स्कूल जोनियावास विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक एवं सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। शिक्षकों के निरंतर प्रयास और विद्यार्थियों की मेहनत का ही परिणाम है कि विद्यालय हर वर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम दे रहा है।

विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता आने वाले विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। साथ ही अभिभावकों ने भी विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व जताया।

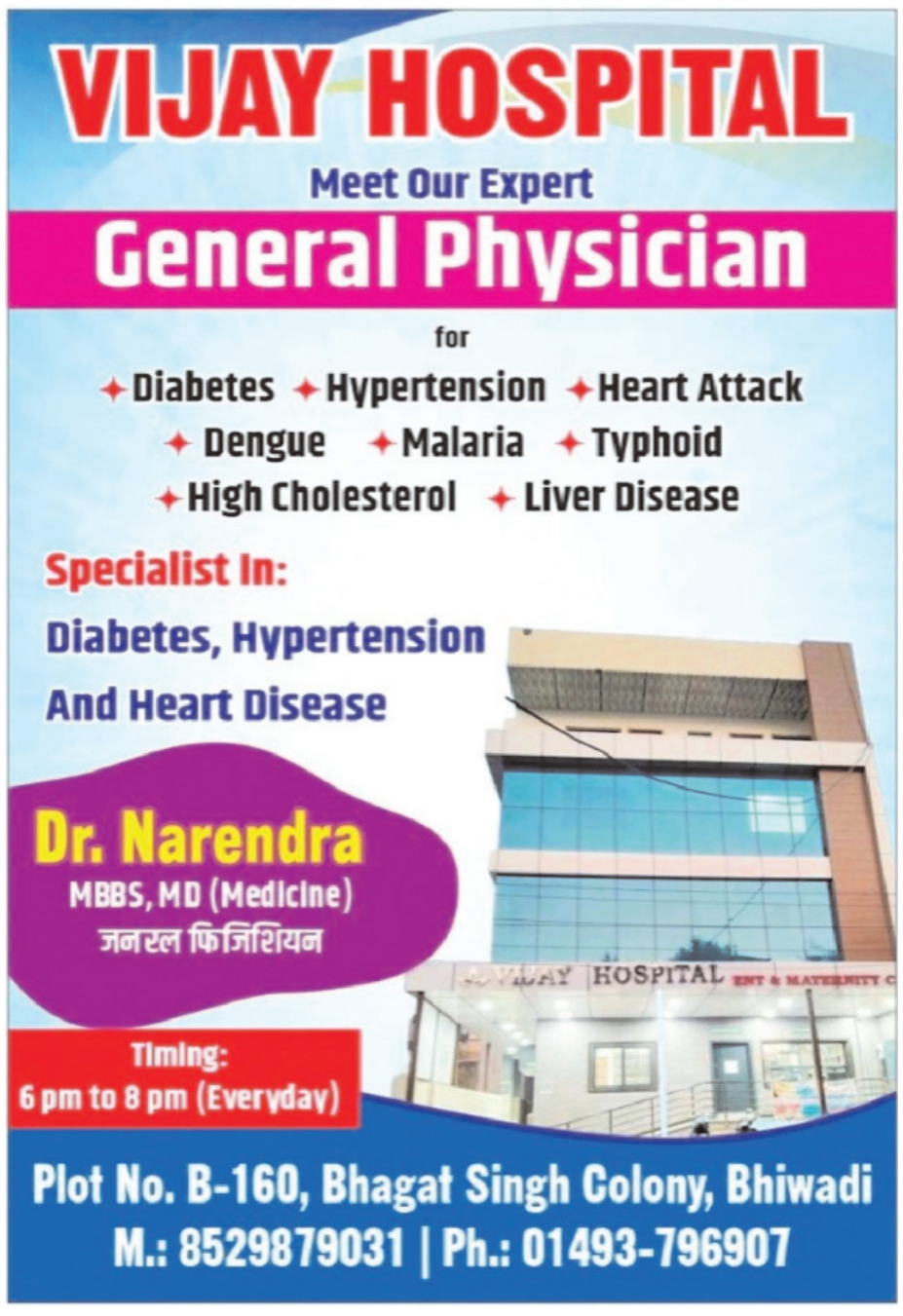

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

कमलेश पांडेय

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है।

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पि म एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं

जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा।

 # आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीन दौरे पर भारत की नजर क्यों है?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दशार्ता है।

चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

संपादकीय

दवा नहीं दिल में खोट

दिलीप कुमार पाठक

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पि म बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के

माँ

माँ कोई शब्द नहीं,
एक पूरा संसार होती है।
थके हुए मन की शांति,
और जीवन का आधार होती है।
उसकी गोद में
हर दर्द मिट जाता है,
उसकी मुस्कान से
घर भी मंदिर बन जाता है।
वह खुद टूटकर भी
हमें संभाल लेती है,
अपने हिस्से की खुशियाँ छोड़
हमारे सपने पाल लेती है।
माँ की दुआओं में
अजब-सी ताकत होती है,
उसकी खामोशी भी
हजार बातें कहती है।
जब दुनिया साथ छोड़ दे,
तब भी वह साथ खड़ी रहती है,
हर अंधेरे रास्ते में
रोशनी बनकर चलती है।
न उसके प्रेम का कोई मोल है,
न उसके त्याग का कोई नाम,
माँ ही वह एहसास है
जिसमें बसता है पूरा जहाँ।
सच है,
माँ को शब्दों में बाँध पाना
आसान नहीं,
वो फ़रिश्ता है खुदा का,
उसके जैसा कोई दूसरा नहीं।

लेखिका

एडवोकेट, रक्षा मुद्गल

भगत सिंह के मस्तिष्क शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरूआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चचाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चि ी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निमार्ताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हमने उन्हें सिर्फ एक शहीद तिकड़ी के हिस्से के रूप में याद रखा। फिल्मों से लेकर बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों तक में उन्हें वह मुख्य स्थान कभी नहीं मिल पाया। सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि असली काम शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत रहकर किया जाता है। सुखदेव सिर्फ 23 साल की उम्र में देश पर न्योछावर हो गए। 15 मई का यह दिन देश के उस सच्चे सिपाही को सलाम करने का दिन है जिसने परदे के पीछे रहकर आजादी की सबसे बड़ी इबारत लिखी थी।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और मैं का अहंकार हम की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे अहिंसा की प्रयोगशाला बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पि म एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

कोटपूतली में स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार, एन्टी वेनम 3.0 अभियान के तहत कार्रवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

निकटवर्ती पनियाला थाना पुलिस ने ऑपरेशन एन्टी वेनम 3.0 अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5.68 ग्राम स्मैक भी जब्त की है। थानाधिकारी रणवीर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सर्विस रोड के पास स्थित देवनारायण ढाबे के टीनशेड के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। जाप्ते की मदद से उसे मौके पर ही रोक लिया गया और पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 5.68 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद हुई। इस पर पुलिस ने आरोपी अनिल उर्फ भूरी (22), निवासी कंजर बस्ती खेड़की मुक्कड़, पनियाला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थानाधिकारी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

कोटपूतली में 11 मनचले गिरफ्तार, एंटी रोमियो स्क्वायड की डिकॉय कार्रवाई में हड़कंप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

बेटियों की सुरक्षा और सम्मान से किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी संदेश के साथ जिला पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर विशेष अभियान चलाते हुए 11 मनचलों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के मार्गदर्शन, एएसपी नाजिम अली खान के सुपरविजन और डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क के नेतृत्व में एंटी रोमियो स्क्वायड, कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और महिला पुलिसकर्मियों की विशेष टीमों का गठन किया गया था। इस अभियान के तहत बाजार, स्कूल-कॉलेज, पार्क और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सिविल ड्रेस में महिला पुलिसकर्मियों को तैनात कर डिकॉय ऑपरेशन चलाया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं पर अभद्र टिप्पणी करने और छेड़छाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर कार्रवाई करना था। पुलिस के अनुसार जैसे ही टीमों ने सार्वजनिक स्थानों पर मनचलों की गतिविधियां देखीं, उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति में छेड़छाड़ या अभद्र व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता ली जाए। इसके लिए पुलिस ने राजकोप सिटीजन ऐप का स्ट्रस फीचर, एंटी रोमियो हेल्पलाइन 1090, पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 01421-248540 और व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9530427856 जारी किए हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि हर शिकायत पर तुरंत और गोपनीय कार्रवाई की जाएगी।

चाकू की नोक पर उबर चालक से कार लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार, छीनी गई कार बरामद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

पनियाला थाना पुलिस ने चोरी और लूट की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए उबर चालक से कार छीनने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से छीनी गई हुंडई कार भी बरामद कर ली है। थानाधिकारी रणवीर सिंह ने बताया कि 30 अप्रैल को हुई इस वारदात में वांछित आरोपी सुन्दर लाल (22) पुत्र सतीश कुमार गुर्जर निवासी भेड़ीवास, हरसौरा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से कार नंबर आरजे 14 टीजी 2530 हुंडई कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार परिवादी राजेश कुमार (24) पुत्र करतार सिंह जाट निवासी झपरा, थाना भगोरा, जिला मथुरा ने मामला दर्ज कराया था। उसने बताया कि 29 अप्रैल की रात करीब 11 बजे जयपुर सिंधी कैम्प से तीन लोगों ने उबर एप के माध्यम से पावटा जाने के लिए उसकी गाड़ी बुक की थी। तीनों आरोपियों ने रास्ते में घर छोड़ने का बहाना बनाकर उसे बबेरा गांव की तरफ ले गए। वहां उसकी गर्दन पर चाकू रखकर कार और मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उबर एप से बुकिंग करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाई। संबंधित व्यक्ति को डिटेन कर पूछताछ की गई, जिसमें उसने बताया कि कुछ अंजान लोग उसके पास आए थे और उन्हीं के कहने पर एप के माध्यम से बुकिंग की गई थी। इसके बाद पुलिस टीम ने घटना स्थल और पूरे रूट के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और प्राप्त डिटेल के आधार पर आरोपी सुन्दरलाल गुर्जर की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया।

भिवाड़ी में 'ऑपरेशन डिकॉय' के तहत 8 मनचले गिरफ्तार, महिलाओं पर फब्तियां कसने वालों पर पुलिस का शिकंजा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

भिवाड़ी पुलिस ने महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाते हुए 'ऑपरेशन डिकॉय' अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकतें करने वाले 8 मनचलों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भिवाड़ी एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन तथा डीएसपी कैलाश चौधरी के पर्यवेक्षण में की गई। डीएसपी कैलाश चौधरी ने बताया कि जयपुर रेंज आईजी और भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मॉल, अस्पताल, पार्क और अन्य सार्वजनिक स्थानों को चिन्हित किया गया, जहां महिलाओं और छात्राओं के साथ छेड़छाड़ तथा अश्लील फब्तियां कसने की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस ने इस कार्रवाई को पूरी तरह गोपनीय तरीके से अंजाम दिया। कालिका टीम की महिला पुलिसकर्मियों को सादी वर्दी में अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया था। टीम लगातार संदिग्ध युवकों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान कुछ युवक महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां और अश्लील इशारे करते हुए पाए गए। महिला पुलिसकर्मियों ने तुरंत इशारा कर अन्य पुलिसकर्मियों को बुलाया और आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। अभियान के तहत कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को रोकने और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित माहौल बनाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। भिवाड़ी पुलिस ने महिलाओं और आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, अभद्रता या आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने विशेष रूप से राजकोप सिटीजन ऐप के एसओएस फीचर के उपयोग की सलाह दी है। इस फीचर के जरिए एक क्लिक पर पीड़िता की लाइव लोकेशन पुलिस तक पहुंच जाती है, जिससे तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वंदे गंगा और हरियालो राजस्थान अभियान की तैयारियों की समीक्षा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी जन अभियानों को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान एवं कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की तैयारियों और कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियानों को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित ये अभियान जनहित और जनजागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण अभियान हैं, जिनमें आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से अभियान के उद्देश्यों और लाभों को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 25 मई से 5 जून तक जिलेभर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां संचालित होंगी। जिला कलक्टर ने अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए जल संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही जल बचाने का उद्देश्य सफल हो सकता है। विद्यालयों, ग्राम पंचायतों और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत विभागवार लक्ष्यों और पौधरोपण कार्यों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने पौधरोपण स्थलों का चयन, गड्ढा खुदाई और अन्य आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए पौधरोपण अभियान को जन आंदोलन के रूप में संचालित किया जाए। बैठक में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत प्रवासी जनों की सहभागिता और विकास कार्यों में सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जगदीश कुमार, नगर परिषद आयुक्त अरुण शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध जल कनेक्शनों पर बड़ी कार्रवाई, 30 कनेक्शन काटे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

उपखंड विराटनगर के ग्राम भामोद और कुकड़ेला में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। विभागीय टीम ने पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में मुख्य राइजिंग पाइपलाइन से जुड़े करीब 30 अवैध कनेक्शन काटकर पेयजल आपूर्ति को सुचारू किया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि मुख्य राइजिंग पाइपलाइन से अवैध रूप से किए गए कनेक्शनों के कारण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। इससे आमजन को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था और नियमित सप्लाई बाधित हो रही थी। लगातार शिकायतें मिलने के बाद विभाग ने मौके पर जांच कर कार्रवाई को अंजाम दिया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से अवैध कनेक्शनों को हटाया और संबंधित कनेक्शन धारकों को नोटिस जारी किए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार के अवैध कनेक्शन नहीं करने की सख्त चेतावनी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन आमजन को निर्बाध एवं सुचारू पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पेयजल व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध कनेक्शनों और जल चोरी के मामलों में आगे भी नियमित कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने आमजन से अपील की है कि जल संरक्षण को बढ़ावा दें और किसी भी प्रकार के अवैध जल कनेक्शन या जल चोरी की सूचना संबंधित विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

बहरोड़ में एसी मिस्त्री पर हमला, दोनों हाथ फ्रैक्चर; टेक्नीशियन समाज में आक्रोश, आरोपी हिरासत में

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

इंदिरा कॉलोनी क्षेत्र में एसी रिपेयरिंग के लिए बुलाए गए एक मिस्त्री पर लोहे की रॉड से हमला किए जाने की घटना सामने आई है। इस हमले में मिस्त्री के दोनों हाथ फ्रैक्चर हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में टेक्नीशियन बहरोड़ थाने पहुंचे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। बर्डोद निवासी करण वर्मा एसी रिपेयरिंग का काम करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि इंदिरा कॉलोनी निवासी रमेश राम ने अपने घर एसी ठीक कराने के लिए उन्हें बुलाया था और 2000 रुपये एडवांस भी दिए थे। लेकिन इसी दौरान उनके बेटे की तबीयत खराब होने के कारण वे समय पर नहीं पहुंच सके। आरोप है कि देरी होने पर आरोपी ने लगातार फोन कर दबाव बनाया और बाद में अतिरिक्त 3500 रुपये की मांग की। जब करण वर्मा ने अतिरिक्त पैसे देने से इनकार किया तो विवाद बढ़ गया। इसी दौरान आरोपी ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे दोनों हाथ गंभीर रूप से फ्रैक्चर हो गए। घटना के बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि मारपीट के बाद उन्हें पैसे देने के लिए मजबूर किया गया और बाद में 3500 रुपये लेने के बाद ही छोड़ा गया। जाते समय धमकी देने का भी आरोप है। इस घटना के विरोध में गुरुवार को कई टेक्नीशियन थाने पहुंचे और सख्त कार्रवाई की मांग की। थाना अधिकारी अंकित सामरिया ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आंधी बनी कालः उड़कर आई टीन की चपेट में आने से 12वीं की छात्रा की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम उमरैण में तेज आंधी के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। घर पर काम कर रही 12वीं कक्षा की छात्रा की उड़कर आई टीन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार ग्राम उमरैण निवासी 19 वर्षीय प्रियंका सैनी पुत्री राम सिंह बुधवार देर शाम अपने घर पर आवश्यक काम कर रही थी। इसी दौरान क्षेत्र में तेज आंधी चलने लगी। आंधी इतनी तेज थी कि पास में लगी टीन उड़कर सीधे प्रियंका से टकरा गई। टीन लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद परिजन घायल प्रियंका को उपचार के लिए अलवर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया। लेकिन देर रात उपचार के दौरान प्रियंका की मौत हो गई। प्रियंका 12वीं कक्षा की छात्रा थी और पढ़ाई में भी काफी होनहार बताई जा रही थी। उसकी असामयिक मौत से परिवार और गांव में गहरा शोक है। ग्राम उमरैण के उप प्रधान महेश सैनी ने बताया कि तेज आंधी के कारण यह हादसा हुआ, जिसने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। अचानक हुए इस हादसे से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन सत्यवीर यादव ने बताया कि कक्षा 12वीं में जयश्री ने 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे यूरो ग्रुप में टॉप किया। उन्होंने कहा कि यूरो ग्रुप ऑफ स्कूल्स अपनी 15 शाखाओं के माध्यम से गुरुग्राम, फरीदाबाद, भिवाड़ी, कनीना, रेवाड़ी और धारूहेड़ा में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान कर शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को स्थापित कर रहा है। कक्षा 12वीं कॉमर्स संकाय में कीर्ति अग्रवाल ने 97.4 प्रतिशत, नॉन-मेडिकल में मानस कार्की ने 97.2 प्रतिशत और मेडिकल संकाय में कनिष्क ने 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ग्रुप टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। विद्यालय के अन्य मेधावी विद्यार्थियों में पुनीत (98'), मुस्कान (97.6'), शोभित वत्स (96.8'), सजल यादव (96.8'), गौरवांशी जैन (96.4'), प्राची (96.2'), संजना चौहान (96.2'), श्रेष्ठा राव (96.2'), कशिश यादव (96.2'), हर्षिता (96'), यश प्रताप सिंह (96'), यति सिंह (95.2'), भूमि शियानी (95.6'), साक्षी चौहान (95.4'), दिया भारद्वाज (95.4'), निधि यादव (95'), प्रियांशु अत्तरी (95') और मुस्कान जांगू (95') शामिल रहे।विद्यालय के 502 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की। इस अवसर पर निर्देशक नितिन यादव ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए इसे सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया। वहीं निर्देशिका स्वाति यादव ने विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की। डीन मीनू दुबे ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी पर विशेष ध्यान, आसान तरीके से कॉन्सेप्ट समझाने और अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह शानदार परिणाम संभव हो पाया है। प्रिंसिपल अनिल यादव, सुनील यादव, अनामिका सिंह, कल्पना यादव, नवीना दास, अर्चना सिंह, डॉ. प्रिया श्रीवास्तव, सुधा चौहान, प्रियंका अवस्थी, पूजा गौर, वंदना सिंह एवं ऋचा अम्बष्ठा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

विराटनगर में स्कूल, अस्पताल और स्वच्छता व्यवस्थाओं का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने गुरुवार को विराटनगर क्षेत्र का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जनसुनवाई से जुड़ी व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पीएम श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालय विराटनगर, उप जिला अस्पताल, मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी तथा फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं और परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा विद्यालय परिसर को स्वच्छ और प्रेरणादायी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नक्षत्र वाटिका और पीपल वाटिका का अवलोकन कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। इसके बाद उन्होंने उप जिला अस्पताल विराटनगर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से संवाद कर चिकित्सा सुविधाओं का फीडबैक लिया। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने ओआरएस कॉर्नर का निरीक्षण करते हुए गर्मी और लू तापघात से बचाव के लिए आमजन को जागरूक करने तथा पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लू तापघात वार्ड, जनरल वार्ड सहित अन्य वार्डों का भी निरीक्षण किया और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।नगर पालिका द्वारा संचालित मेटेरियल रिकवरी फैसिलिटी का निरीक्षण कर ठोस कचरा प्रबंधन और कचरे के पृथक्करण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर संचालन व्यवस्था की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। अटल जन सेवा शिविर में जिला कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। पेयजल, विद्युत, सड़क और राजस्व से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नीमराणा में अटल जन सेवा शिविर में सुनीं समस्याएं, ईएसआईसी अस्पताल भूमि का किया निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने गुरुवार को नीमराणा क्षेत्र का दौरा कर पंचायत समिति कार्यालय में आयोजित अटल जन सेवा शिविर के तहत ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और क्षेत्रवासी आधारभूत सुविधाओं से जुड़े परिवाद लेकर पहुंचे, जिनके त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आमजन को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त परिवादों पर संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। दौरे के दौरान उन्होंने नीमराणा में प्रस्तावित ईएसआईसी अस्पताल निर्माण के लिए चिह्नित भूमि का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ शीघ्र मिल सके। इस अवसर पर अस्पताल के मार्ग से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन और रीको द्वारा की गई कार्रवाई का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोबारा अतिक्रमण न हो और मार्ग में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं होने पाए। इसके लिए नियमित निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान उपखंड अधिकारी नीमराणा महेंद्र यादव, रीको आरएम राहुल भट्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटपूतली में डीसीसी-डीएलआरसी बैठक, ऋण वितरण तेज करने के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

जिले में वित्तीय समावेशन और ऋण वितरण को गति देने के लिए जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में डीसीसी एवं डीएलआरसी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आरबीआई, नाबार्ड, पीएनबी और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी मौजूद रहे। एलडीएम उमेद सिंह दहिया ने बताया कि जिले का सीडी रेश्यो 103' से बढ़कर 104' हो गया है और 7340 करोड़ की वार्षिक साख योजना के मुकाबले 103' लक्ष्य हासिल किया गया है। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि लंबित ऋण प्रकरणों का निस्तारण 4-5 दिनों में किया जाए और बैंकों को लक्ष्य के मुकाबले अधिक आवेदन भेजे जाएं। कुछ निजी बैंकों की शून्य प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई और सुधार के निर्देश दिए। बैठक में केसीसी, पीएम स्वनिधि और पशु केसीसी जैसे छोटे ऋणों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। साथ ही पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई और एपीवाई जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में अधिक से अधिक नामांकन के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि कृषि और प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण प्रवाह को और मजबूत करने पर फोकस किया जाएगा।

कैसा हो जीवनसाथी

HARD TO RESIST

मा रा स्वभाव हमेशा से चूजी रहा है। हमें जो भी अच्छा लगता है हम उसे अपना लेते हैं और जो हमें पसंद न हो उसे नकार भी देते हैं। यही बात नया रिश्ता कायम करने में भी लागू होता है। जरूरी नहीं कि किसी भी अच्छे दिखने वाले व्यक्ति को देखते ही आप उससे शादी के सपने देखने लग जाएं। शादी के लिए सिर्फ अच्छा दिखना ही काफी नहीं होता। जीवनसाथी चुनने के लिए महिलाएं गंभीर सोच-विचार के बाद ही फैसला लेती हैं। ऐसी ही कुछ सोच पुरुषों की भी होती है। क्या आपको पता है पुरुषों को कैसा जीवनसाथी पसंद आता है। पुरुष केवल खूबसूरत चेहरे या फिगर पर ही फिदा नहीं होते। आइए जानते हैं पुरुषों के मन की बात। पता करते हैं कि किस तरह की महिलाओं को पुरुष नकार नहीं सकते। स्नेही स्वभाव यदि आपका स्वभाव देखभाल करने की प्रवृत्ति का है तो फिर यह तय है कि आपको कोई भी ना नहीं कर सकता। पुरुष चाहते हैं कि उसका जीवनसाथी बिना किसी शर्त उससे प्यार करे। ऐसे पुरुष जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेते। ये चाहते हैं कि उनकी गर्लफ्रेंड या जीवनसाथी उन्हें हमेशा उत्साहित करती रहें। स्नेही स्वभाव की महिलाएं उन पुरुषों की पहली पसंद होती हैं जो जीवन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

जिम्मेदार

जब कोई पुरुष शादी के लिए लड़की की खोज करता है तो उसका पहली प्राथमिकता जिम्मेदारी उठा सकने वाली लड़की होती है। वो चाहते हैं कि उनकी जीवनसाथी में तमाम घरेलू गुण मौजूद हों। पति के साथ मिलकर परिवार को चलाएं।

खाना पकाने में माहिर

भारत में एक मशहूर कहावत है कि पुरुषों के दिल का रास्ता उनके पेट से होकर जाता है। इसलिए जरूरी है कि आपमें बढ़िया खाना बनाने के सारे गुण हों। यदि आपको उनके मुताबिक, पसंदीदा भोजन बनाना आता हो तो बात बन जाए। आप बेस्ट कुक हैं, तो उनकी दुनिया ही पूरी हो जाती है।

पैसे का मोल समझने वाली

यदि आप घर के हिसाब-किताब का प्रबंधन अच्छा है तो फिर कोई भी पुरुष आपको पसंद कर सकता है। पुरुष जब कोई भविष्य की योजना तैयार करते हैं तो उनकी उम्मीद होती है कि उनका जीवनसाथी इस सपने को साकार करने में उनकी मदद करे।

समझदारी

पुरुषों केवल सुंदर चेहरा या फिगर ही नहीं चाहते बल्कि वे चाहते हैं कि उनका जीवनसाथी समझदार भी हो। वो ऐसा जीवनसाथी चाहते हैं जिससे अपनी सारी बाते शेयर कर सकें। वे अपने मानसिक स्तर पर अपने बराबर की महिला को प्राथमिकता देते हैं।

बेहतर दोस्त

पुरुषों की अपेक्षा होती है कि उनकी जीवनसाथी उनकी अच्छी दोस्त हों। यदि आप उनकी बेहतर दोस्त बन सकें तो आपका साथ आजीवन बना रहेगा। आप शादी के बाद भी एक-दूसरे को भलीभांति समझ-बूझ कर बेहतर दोस्त बन सकते हैं।

सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी।

शहर की पहचान थी ज़री

एक वक्त था जब ज़री वाले बटुए भोपाल की पहचान हुआ करते थे। नवाब और रजवाड़े इन बटुओं को शान से अपने हाथ में लिए घूमा करते थे। इसके साथ ही ज़री और मोतियों से सजी जूतियां भी बेगमों के साथ-साथ आम महिलाओं को नवाबी दौर से जोड़ती थीं। नवाबी दौर में कभी भोपाल की आन, बान, शान और पहचान रही 'ज़री' ने अब अपनी चमक खो दी लगती है। एक जमाना था जब 'ज़री' नवाबों, रजवाड़ों, जमीदारों और हकिमों के महलों की ज़ीनत हुआ करती थी। उस दौर के अमीर और खवातीनें जब ज़री के भारी दुपट्टे, मोतियों और सलमें सितारे टकीं जूतियों और सोने-चांदी के तारों से सजे बटुओं को लेकर निकलते थे तो देखने वाले अश-अश कर उठते।

लेकिन अब न वो दौर रहा न वो लोग न कारीगर और न ही ज़री के कद्रदान, लिहाजा कभी भोपाल का पर्याय रहा ज़री उद्योग इन दिनों आखरी सांसे गिन रहा है। भोपाल में ज़री के काम का इतिहास तकरीबन 130 साल पुराना है। तत्कालीन नवाब शाहजां बेगम (1868-1901) ने भोपाल में ज़री का काम शुरू करवाया था। उन्होंने लखनऊ, कानपुर, दिल्ली से ज़री के बेहतरीन कारीगर भोपाल बुलवाए और परी बाजार के एक ट्रेनिंग सेंटर खोला। तब परी बाजार सिर्फ औरतों के लिए औरतों द्वारा ही चलाया जाता था। ज़री के संदर्भ में यदि भोपाल की संस्कृति समझने की कोशिश करें तो पाएंगे कि यहां औरतें मर्दो पर हुक्म चलाती रही हैं उस वक्त के मर्द निहायत गैर जिम्मेदार रहे और मछली पकड़ने के अलावा कोई काम नहीं करते थे ऐसी स्थिति में बेकारी दूर करने और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के उदेश्य से ही नवाब शाहजहां बेगम के ज़री उद्योग को बढ़ावा दिया। आपने ज़री के निर्यात पर भी बल दिया। (1901-26)नवाब सुल्तान जहां बेगम की भी ज़री के काम की बड़ी कद्रदां थीं। उन्होंने भी ज़री उद्योग को संगठित करने के काफी प्रयास किए। बुजुर्ग ज़री कारीगरों को आप ज़री के देती थी विधवाओं के कल्याण के लिए सुल्तान जहां बेगम ने 1905 में आसिफ टेक्निकल स्कूल की स्थापना की थी। सुल्तान जहां के दौर (1901-26) में ही ज़री उद्योग अपने ऊरूज में पहुंचा। बेगम साबि ने ही ज़री उद्योग को बाजार उपलब्ध करवाया हालांकि तब भी चौक बाजार में एक-सी-जरीवाला (1859) और नेशनल ज़री हाउस (1880) की दुकानें खुल चुकी थीं। इसके बाद के वर्षों में जय नारायण कन्हैयालाल, मुल्ला गुलाम बक्श गोते वाला, मुख्तार जनरल स्टोर, सूफी नबी बक्श हाजी कादर भाई (इब्राहिमपुरा)आदि। ज़री के बड़े और प्रतिष्ठित व्यापारियों में से थे इनसे अब केवल एस-सी-जरीवाला और जयनारायण कन्हैयालाल की दुकानें ही वजूद में हैं। दरअसल ज़री का काम सबसे पहले बटुओं पर शुरू हुआ।

उन दिनों रईसों में पान, गुटका, सुपारी आदि खाने का चलन था। सबसे पहले जो ज़री के बटुए बनाए गए वे पान-गुटका आदि रखने के लिए ही बनाए गए। इन पर सोने-चांदी के तार से बेलबूटे, फूल पत्तियां बनाई जाती थी। यह सारा काम पार्शियन शैली में होता था वस्तुतः यह हिंदू शैली ही थी जो अरब जाकर फिर यहीं लौटी। सत्तर के दशक में सोना-चांदी बहुत महंगा हो गया, कलखखा ज़री का स्थान मोतियों, कला वस्तु ने ले लिया बटुओं से शुरू होकर ज़री साड़ी, कुर्ता, जैकेट, टीकोजी, पर्दा, रूमाल, चप्पल आदि की शान बन गई। लेकिन भोपाल की पहचान ज़री के बटुओं की वजह से ही बनी। भोपाल का ज़री बटुआ उद्योग भी उतना ही मशहूर है जितना कि अलीगढ़ का ताला उद्योग, बनारस का साड़ी उद्योग। आज भी अधिकांश विदेशी पर्यटक भोपाली पहचान का प्रतीक ज़री बटुआ खरीदना नहीं भूलते। दुर्भाग्य से इन अब ज़री के काम का चलन कम होने लगा है। पुश्तैनी कारीगर भी यह काम छोड़ने को मजबूर होते जा रही हैं। भोपाल के चांदबढ़, जहांगीराबाद, इतवारा, शाहजहांनाबाद, मोती मस्जिद, हमीदिया रोड आदि क्षेत्रों में अनेक मुस्लिम परिवार इस उद्योग से जुड़े हुए हैं। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक अपनी इस विरासत को आज जैसा-तैसा बचाए हुए हैं।

किसी व्यक्ति की कुंडली सिर्फ उसके जीवन की ग्रह दशा ही नहीं कहती, बल्कि उसके प्रत्येक घर में ईश्वर विराजमान होते हैं। या यूं कहें कि कुंडली देखकर पता लगाया जा सकता है कि आप किसकी आराधना करें, जो फलित हो...

कुंडली में ईश बसे...

ज्योतिष शास्त्र में किसी जातक की कुंडली से उसके इष्ट देव को जानने के अलग-अलग सूत्र व सिद्धांत हैं, जिन्हें समय-समय पर ऋषि- मुनियों ने तैयार किए हैं। ऐसे ही एक ऋषि और जेमिनी सूत्र के रचनाकार महर्षि जेमिनी ने इष्टदेव के निर्धारण में आत्मकारक ग्रह की भूमिका को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया है। कुंडली में लग्नेश, लग्न ग्रह के स्वामी ग्रह जो सबसे अधिक अंश में हो, चाहे किसी भी राशि में हो, आत्मकारक ग्रह होता है। इसी ग्रह को आधार मानकर जातक को अपना इष्ट चुनने का संकेत मिलता है। जेमिनी ने इष्ट निर्धारण के लिए देव चुनने में निम्न बातों का ध्यान रखने की भी सलाह दी है-

- आत्मकारक ग्रह के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व उनकी आराधना करनी चाहिए।
- दूसरे आधारों के मुताबिक, पंचम भाव, पंचमेश व पंचम में स्थित बलि ग्रह या ग्रहों के अनुसार ही इष्ट देव का निर्धारण व अराधना करें।
- त्रिकोणेश में सर्वाधिक बलि ग्रह के अनुसार भी इष्टदेव का चयन कर सकते हैं और उसी अनुसार उनकी आराधना करें।

इस प्रकार अपने इष्टदेव का चयन करने के उपरांत ही उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। आप इन्हें किसी भी परिस्थिति में न त्यागें। अपने इष्टदेव का निर्धारण कर यदि आप नियमित पूजन करते हैं, तो आपको आपने पूर्वजन्म कृत पापों से मुक्ति भी पाने में मदद मिलेगी।

ग्रह अनुसार इष्ट निर्धारण

सूर्य: राम व विष्णु
चंद्र: शिव, पार्वती, कृष्ण
मंगल: हनुमान, कार्तिकेय, स्कंद, नरसिंग
बुध: गणेश, दुर्गा, भगवान बुद्ध
बृहस्पति: विष्णु, ब्रह्मा, वामन
शुक्र: परशुराम, लक्ष्मी
शनि: भैरव, यम, कुर्म, हनुमान
राहु: सरस्वती, शेषनाग
केतु: गणेश व मत्स्य

वास्तुः दिशा सही, सीढ़ी सही

सीढ़ियों ऐसी होनी चाहिए कि घर में रहने वाले व्यक्ति को पता ही न चले कि वह कब पहली सीढ़ी से चढ़कर ऊपर पहुंच गया। सीढ़ियां जैसी भी हों, जहां भी हों, उनका मकसद सिर्फ और सिर्फ ऊपर की मंजिल तक पहुंचाना होता है। घर की खूबसूरती में कई चांद लगाने वाली यह सीढ़ियां आज न जाने कितने डिजाइनों में उपलब्ध है, लेकिन अगर आपने इनसे जुड़े वास्तु सिद्धांतों पर गौर नही किया तो यह अपने होने के उद्देश्य से भटक भी सकती हैं।

वास्तु में भवन के अंदर और बाहर की सीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध है। वास्तु में इन्हें घर का न सिर्फ अहम हिस्सा माना गया है बल्कि इनके प्रभावों पर भी विस्तृत चर्चा मौजूद है। वास्तु अनुसार, घर में सीढ़ियों के लिए सर्वोत्तम दिशा दक्षिण, पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम है। अगर सीढ़ियां सही स्थान पर बनी हों, तो जीवन के बहुत से उतार-चढ़ाव व कठिनाइयों से बचा जा सकता है।

दिशा सीढ़ियों की

सीढ़ियों को अगर सही दिशा में न बनाया गया हो, तो यह एक गंभीर वास्तुदोष माना जाता है। इस दोष के कारण मनुष्य को अनावश्यक आर्थिक व निजी जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसका उचित उपाय तो सीढ़ियों का सही दिशा में स्थित होना ही है, किंतु यदि सीढ़ियां गलत दिशा में बनी हों और उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करना संभव न हो, तो बिना तोड़फोड़ के भी इस वास्तुदोष का निवारण किया जा सकता है। इसके लिए किसी कुशल वास्तु विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में स्टोन पिरामिड की स्थापना करनी पड़ती है।

इनका ध्यान रखें

सीढ़ियां कभी भी उत्तर-पूर्व में न बनवाएं। यह धननाश व व्यापार में हानि तथा कर्जो का कारण बन सकती हैं। इससे संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। सीढ़ियां हमेशा विषम संख्या (3,5,7,9,11,13) में हों। सुविधाजनक, सुंदर व मजबूत सीढ़ियां अच्छे वास्तु की परिचायक हैं। सीढ़ियों के टूटे किनारे वास्तु-दोष उत्पन्न करते हैं। अतः इनकी मरम्मत समय रहते करवा लेनी चाहिए। घुमावदार सीढ़ियां अच्छी नहीं होती। सीढ़ियों के नीचे रसोई घर, पूजा घर, स्नान घर आदि न बनवाएं। हां, वहां स्टोर रूम बनाया जा सकता है। घर के केंद्र में (ब्रह्मस्थान में) सीढ़ियां होने से घर के सदस्यों को मानिसक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। सीढ़ियों की ऊंचाई व चौड़ाई इस आकार में हो कि बच्चा व बूढ़ा आसानी से बिना थके चढ़ सके। सीढ़ियों की ऊंचाई सात इंच तथा चौड़ाई दस इंच से एक फुट तक हो सकती है।

प्रकृति में छिपा स्वास्थ्य

स्वास्थ्य को जीवन की एक बहुत महत्वपूर्ण निधि माना जाता है। स्वास्थ्य एवं रोग के विषय में प्राकृतिक चिकित्सा के अपने कुछ मौलिक सिद्धांत हैं, जिसके उल्लंघन पर तमाम रोग होते हैं। हमारे आस पास यानी की हमारी प्राकृति में ही इतनी अनमोल चीजें छिपी हुई हैं कि अगर हम उनको अपने सेहत को सुधारने के लिए प्रयोग करेगें तो हम हमेशा ही मुस्कुराता हुआ जीवन जीएगें। चलिए जानते हैं कि प्रकृति में ऐसी कौन सी चीजे हैं जिनसे हमें लाभ मिल सकता है।

संतुलित खान-पान

स्वस्थ रहने के इन तरीको को में सबसे पहला स्थान संतुलित खान-पान का है। ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां व अंकुरित अन्न इस दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त है। ये आहार स्वास्थ्य को उन्नत करने के साथ-साथ रोगों से दूर रखते हैं।

मिट्टी से उपचार

शरीर पर तरह तरह की मिट्टियों का लेप लगाने से लाभ होता है। हमारे शरीर को शीतलता देने के लिए मिट्टी का प्रयोग किया जाता है। यह शरीर के दूषित पदार्थ को घोल कर एवं अवशोषित कर पूरे शरीर से बाहर निकाल देती है।

उपवास भी है फायदेमंद

उपवास को प्राचीन समय से स्वस्थ्य रहने का उत्तम साधन माना जाता है। उपवास पाचन प्रणाली को विश्राम देने की प्रक्रिया में खर्च होने वाली ऊर्जा, शरीर से बीमारियों को बाहर निकालने में लग जाती है, यही उपवास का उद्देश्य भी है। अगर आपको स्वस्थ्य रहना है तो हफ्ते में एक दिन जरुर उपवास करें।

मालिश भी है जरूरी

मालिश भी स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है, इसका प्रयोग अंग-प्रत्यंगों को पुष्ट करने हुए शरीर के रक्त संचार को उन्नत करने में होता है। मालिश से शरीर निरोगी रहता है और स्फूर्ति बनी रहती है।

पानी से उपचार स्वच्छ, ताजे एवं शीतल जल से अच्छी तरह से स्नान करना जल चिकित्सा का एक बढ़िया रूप है। इससे शरीर के सभी रंद्र खुल जाते हैं, यही नहीं शरीर में हल्कापन और स्फूर्ती भी आती है।

बनाएं अपनी होम लाइब्रेरी

कहते हैं किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। मगर, कॅरियर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में हम इस कदर व्यस्त हो जाते हैं कि किताबों से मिलने का समय ही नहीं मिलता। ऐसे में होम लाइब्रेरी एक बेहतर विकल्प हो सकता है। अपने घर में लाइब्रेरी सेट करने के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स..

ऐसे करें लाइब्रेरी मैनेज

1. हमेशा किताबों को तिरछी करके रखें, ऐसा करने से किताबों को निकालने में आसानी होगी।
2. किताबों को कभी-भी फंसाकर न रखें, ऐसा करने से उनके कवर्स फटने की संभावना होती है।
3. बुकमार्क का प्रयोग करें। ऐसा करने से आपको किताबों के पन्ने फोल्ड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और किताबों की सुंदरता बनी रहेगी।
4. किताबों को उधार न दें। अगर आप अपने दोस्तों को किताबें देते भी हैं तो समय से उन्हें वापस ले लें। अगर ऐसा नहीं करते हैं तो आपका बुक्स कलेक्शन खराब हो जाएगा।
5. समय-समय पर किताबों की सफाई भी करें। सिर्फ बुक शेल्फ की सफाई करना काफी नहीं है, आप सप्ताह में एक बार किताबों को भी कपड़े से साफ करें।
6. लाइब्रेरी का वातावरण सुगंधित और साफ-सुथरा बनाए रखें। बारिश के मौसम में इस बात का खास ख्याल रखें कि किताबों में सीलन न लगे।
7. रीडिंग के समय अगर कोई मेहमान आ जाए तो उसे लाइब्रेरी में बुलाने की बजाय आप खुद दूसरे कमरे में उसे बिठाएं।

शांत हिस्से में बनाएं लाइब्रेरी

लाइब्रेरी घर के सबसे शांतिपूर्ण हिस्से में होनी चाहिए। कोशिश करें कि लाइब्रेरी हॉल से थोड़ी दूर हो, वरना वहां होती चहल-पहल से पढ़ाई में मुश्किल होगी। अगर आपके बच्चे छोटे हैं तो लाइब्रेरी को उनके रूम के पास भी न बनवाएं।

किताबों तक पहुंचना हो आसान

लाइब्रेरी की अलमारियां और शेल्फ ऐसी हों, जिससे किताबों को ढूंढने में मुसीबत न हो। जो किताबें काफी महंगी हैं, उन्हें कवर्ड अलमारी में रखें। बच्चों की पसंद की किताबों को ओपन शेल्फ में रखें, क्योंकि जल्दबाजी में वे अक्सर शेल्फ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा ऐसी किताबें जो आपको बहुत पसंद हैं, उन्हें ट्रांसपेरेंट कांच वाली अलमारी में रखें, ताकि उनके टाइटल साफ दिखाई दें और आप उन्हें आसानी से ढूंढ सकें।

सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे: दिया कुमारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान सरकार के ग्राम रथ अभियान के तहत गुरुवार को बस्सी विधानसभा की ग्राम पंचायत अनंतपुरा में संध्या चौपाल एवं जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर आमजन से संवाद किया और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे पात्र व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का सही क्रियान्वयन ही सरकार की मंशा को सफल बनाएगा। साथ ही आमजन से अधिकाधिक योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 23 से 25 मई तक जयपुर में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) 2026 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक कृषकों, पशुपालकों और निवेशकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि कृषि और पशुपालन क्षेत्र को नई दिशा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा गोद भराई रस्म का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और सरकार के प्रति विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर सीएम मीणा, केएल मीणा, उपखंड अधिकारी बस्सी डॉ. गरिमा शर्मा सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पैक्स गठन और ई-पैक्स कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सहकारिता विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पैक्स गठन, ई-पैक्स एवं 'सहकार से समृद्धि' अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जयपुर जिले की पैक्स विहीन ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले की समस्त पैक्स समितियों का कम्प्यूटरीकरण कर उन्हें ई-पैक्स घोषित करने के लिए कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने पैक्स समितियों के माध्यम से सीएससी, पीएमकेएसके सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए इनके लिए मासिक लक्ष्य निर्धारित किए तथा समयबद्ध रूप से लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत निर्मित गोदामों की उपयोगिता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। जिला कलक्टर ने 'सहकार से समृद्धि' अभियान के विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी योजनाओं का लाभ अधिकाधिक किसानों और ग्रामीणों तक पहुंचाया जाना चाहिए। इसके लिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निगरानी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बैठक में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर उत्तर मुकेश मूण्ड, प्रबंध निदेशक द जयपुर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां जयपुर (शहर एवं ग्रामीण), डीडीएम नाबार्ड सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

रिप्स-2024 के तहत 75 से अधिक इकाइयों को 4 हजार करोड़ से ज्यादा का अनुदान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स)-2024 के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलसीसी) ने 75 से अधिक प्रस्तावों को मंजूरी दी है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन प्रस्तावों को स्वीकृत किया गया। इन उद्यमों को एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, थ्रस्ट बूस्टर, ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट और ग्रीन इंसेंटिव जैसे कई लाभ दिए जाएंगे। इन इकाइयों को रिप्स-2024 के तहत चरणबद्ध तरीके से 4020 करोड़ रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा। संबंधित इकाइयों ने उत्पादन या कार्य प्रारंभ करने के लिए विभिन्न परिलाभों के लिए आवेदन किया था। उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त नीलाभ सक्सेना ने बताया कि राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति में 25 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाले प्रस्तावों को रखा जाता है और उनके लिए विभिन्न प्रोत्साहन स्वीकृत किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि रिप्स-2024 के माध्यम से प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग, सर्विसेज, ग्रीन इन्वेस्टमेंट, एक्सपोर्ट प्रमोशन, ट्रेनिंग और स्किलिंग सहित कई क्षेत्रों में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री Bhajanlal Sharma के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लागू नीतियों, योजनाओं और Rising Rajasthan Summit के कारण प्रदेश में निवेश का सकारात्मक माहौल बना है। उद्योग विभाग को लगातार नए निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। निवेश प्रस्तावों को लगातार मंजूरी भी मिल रही है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 4 मई को आयोजित स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक में राज्य की निवेश प्रोत्साहन नीतियों के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए करीब 2201 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की अनुशंसा की गई। ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल क्षेत्रों से जुड़े इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने पर 1600 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर भी उपलब्ध होंगे।

भावी पीढ़ी पर देश के विकास की जिम्मेदारी, इन्हें आगे बढ़ने के मिलें पर्याप्त अवसर: अर्जुनराम मेघवाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल की पहल पर हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) द्वारा जिले के 40 सरकारी विद्यालयों में इंटरएक्टिव पैनल और ड्यूल डेस्क वितरण कार्यक्रम गुरुवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुजानदेसर में आयोजित हुआ। मेघवाल की अभिशंसा पर हुडको द्वारा सवा करोड रुपए की लागत से सोशल कॉरपोरेट रिस्पांसबिलिटी (सीएसआर) के तहत यह संसाधन उपलब्ध करवाए गए हैं। जिनका इन विद्यालयों के 15 हजार विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। विद्यालय प्रांगण में आयोजित विशाल कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि भावी पीढ़ी देश के कंधों पर देश के विकास की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि ये बच्चे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन सकें, इसके लिए इन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि हुडको द्वारा सीएसआर के तहत प्रदत्त यह सामग्री इन बच्चों के लिए बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री के आह्वान को दोहराते हुए आमजन से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि खाड़ी में हो रहे युद्ध और तेल आपूर्ति में बाधा को देखते हुए प्रधानमंत्री की इस अपील का अनुसरण करते हुए नागरिक अपनी भूमिका निभाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बच्चों में चरित्र और संस्कार निर्माण तथा नैतिक मूल्यों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके मध्यनजर बच्चों को संस्कारवाद बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वे इस विषय पर विद्यालय के बच्चों की एक घंटा की विशेष क्लास लेंगे, जिसमें बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाए। केंद्रीय मंत्री ने सभी 40 विद्यालयों के प्रतिनिधियों को इंटरएक्टिव पैनल और ड्यूल डेस्क केप्रमाण पत्र प्रदान किए। साथ ही विद्यालय की स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में पावर ग्रिड कारपोरेशन के सौजन्य से सीएसआर द्वारा तैयार चार कक्षा कक्षों, एक लाइब्रेरी हॉल तथा टीन शेड का लोकार्पण किया। इस पर 86 लाख रुपए व्यय किए गए हैं। उन्होंने समसा के माध्यम से विद्यालय परिसर में बनने वाले दो शौचालय का शिलान्यास किया। साथ ही यह विश्वास दिलाया कि आगे भी सीएसआर मद से विकास कार्य करवाए जाएंगे। मेघवाल ने बताया कि हुडको द्वारा जिले के 40 स्कूलों को यह संसाधन दिए गए हैं। इसमें बीकानेर पंचायत समिति के दस, डूंगरगढ़ के सात, लूणकरणसर और कोलायत के छह-छह, खाजूवाला, नोखा के चार, पांचू और पूगल के दो-दो तथा बज्जू खालसा का एक विद्यालय सम्मिलित हैं। इस दौरान हुडको के क्षेत्रीय प्रबंधक सुधीर भटनागर ने बताया कि उनको द्वारा समय-समय पर सीएसआर के तहत सामाजिक सरोकार के कार्य किए जाते हैं। बीकानेर के इन विद्यालयों के लिए कार्य करना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। भामाशाह प्रेरक पप्पू राम पवार ने केंद्रीय मंत्री की पहल और प्रेरणा से विद्यालय परिसर में हुए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने हुडको के प्रतिनिधियों का आभार जताया और उनका सम्मान किया।

ग्रामीणों को अभियान के तहत योजनाओं का लाभ लेने के लिए किया प्रेरित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ग्राम रथ अभियान के तहत बुधवार को डीडवाना–कुचामन जिला प्रभारी एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी ने मकराना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मिण्डकिया में आयोजित रात्रि चौपाल में शिरकत की। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं किसानों व पशुपालकों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने 23 से 25 मई 2026 तक जयपुर में आयोजित होने वाले ग्राम-2026 कार्यक्रम में अधिकाधिक किसानों की भागीदारी करने का आह्वान किया। प्रभारी मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य सरकार निरंतर राज्य को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए ग्राम रथ अभियान का संचालन किया जा रहा है। रात्रि चौपाल में जिला प्रभारी मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों की पेयजल आपूर्ति, जल जीवन मिशन के कार्य, विद्युत,कृषि योजनाओं एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं की सुनवाई की, जिनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने गर्मी के मौसम के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से सुचारु पेयजल आपूर्ति करने के लिए जलदाय विभाग के अधिकारियों को विशेष निर्देश दिये। इस दौरान कला जत्था के कलाकारों एवं अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई और पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर अवधेश मीना सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

शासन सचिव, पर्यटन, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

पर्यटन विभाग तथा कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान शासन सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े प्रकरणों में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए ताकि परिवादियों को शीघ्र राहत मिल सके। बैठक में पर्यटन विभाग, देवस्थान विभाग, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान पर्यटन विकास निगम जवाहर कला केन्द्र तथा आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई। त्यागी ने लंबित प्रकरणों के शीघ्र समाधान के निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा परिवादियों की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी फॉलोअप करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शासन सचिव शुचि त्यागी ने परिवादियों से संवाद भी किया। जयपुर के महेश अग्रवाल एवं पुराण सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत आवेदन स्वीकार नहीं होने संबंधी समस्या से अवगत कराया। इस पर शासन सचिव ने बताया कि योजना के लिए आवेदन प्रतिवर्ष आमंत्रित किए जाते हैं। उन्होंने मौके पर उपस्थित देवस्थान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जैसे ही आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो, दोनों परिवादियों को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया जाए स दौरान उन्होंने 6 परिवादियों से दूरभाष पर वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। संपर्क पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार देवस्थान विभाग से संबंधित कुल 2250 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 2117 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। पर्यटन विभाग के कुल 299 प्रकरणों में से 287 का निस्तारण किया गया है। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के 59 में से 59, जवाहर कला केन्द्र के 38 में से 38 तथा आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण के सभी 6 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

पीएनजी कनेक्शन से मजबूत होगी ऊर्जा सुरक्षा, जयपुर में तेजी से बढ़ रहा नेटवर्क विस्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

पश्चिम एशिया में चल रहे ऊर्जा संकट के बीच देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पीएनजी कनेक्शन के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आमजन तक सुरक्षित एवं सुलभ ऊर्जा पहुंचाने के लिए पीएनजी नेटवर्क विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कलक्टर संदेश नायक ने बुधवार शाम को रंगोली गार्डन्स सोसाइटी में प्रथम घरेलू पीएनजी कनेक्शन का शुभारंभ किया, जिससे सोसाइटी में पीएनजी आपूर्ति औपचारिक रूप से प्रारंभ हो गई है। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने रंगोली गार्डन्स सोसाइटी के निवासियों से अधिकाधिक संख्या में पीएनजी कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि पीएनजी न केवल एलपीजी की तुलना में अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक है, बल्कि यह किफायती भी है तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिला रसद अधिकारी प्रियव्रत सिंह ने बताया कि जयपुर जिले में अब तक 17 हजार 943 से अधिक घरों को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के पीएनजीआरबी की ओर से राजधानी जयपुर में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन के लिए टोरेंट गैस जयपुर प्राइवेट लिमिटेड अधिकृत है। सरकार स्वच्छ एवं सुरक्षित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है तथा शहर में पीएनजी नेटवर्क विस्तार कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं संबंधित एजेंसियां आमजन तक बेहतर ऊर्जा सुविधाएं पहुंचाने के लिए समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी जयपुर शहर, शैलेश कुमार शर्मा, हृदेश कुमार, शोभित सक्सेना, आलोक रूपराय, अमित जांगिड़, सतीश बेलवाल , शान्तनु चौधरी आदि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने 12 दिवसीय अभियान के लिए उच्चाधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रदेश में भू-जल स्तर और जल संचयन में जन भागीदारी बढ़ाने के लिए 25 मई (गंगा दशमी) से 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ होगा। अभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर से करेंगे। प्रदेशभर में अभियान 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) तक चलेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरूवार को अभियान की तैयारियों के लिए शासन सचिवालय के चिंतन सभागार में महत्वपूर्ण बैठक हुई। उन्होंने सभी विभागों के उच्चाधिकारियों को अभियान की व्यापक एवं प्रभावी क्रियान्वित सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देकर प्रत्येक जिले में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पारम्परिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के कार्यक्रमों को मिशन मोड पर करें, जिससे अभियान का सकारात्मक प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। सभी विभाग आपसी समन्वय से प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय तक कार्ययोजना बनाकर गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करें। अभियान में श्रमदान, स्वच्छता गतिविधियां, पौधारोपण, जल स्रोतों की सफाई, प्रभात फेरियां, जागरूकता रैलियां एवं सामाजिक सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित कराएं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों, युवा समूहों तथा आमजन की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता का आधार बनेगी। उन्होंने 'हरियालो राजस्थान' की तैयारियां शुरू करने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के राज्य स्तरीय समापन समारोह के साथ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 का राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह होगा। इस अभियान में जल संसाधन विभाग द्वारा नदी, वृहद एवं मध्यम बांध, सरोवर, नहरों की पूजा, नहरों एवं खालों की जल उपयोगिता संगम एवं किसानों के सहयोग से साफ-सफाई, जल शक्ति अभियान: कैच द रैन अंतर्गत कार्यक्रम, जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम, नए कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन व लोकार्पण जैसे विभिन्न कार्य होंगे। अभियान अंतर्गत वंदे गंगा प्रभात फेरी, वंदे गंगा कलश यात्रा, पीपल पूजन व पौधारोपण, ईको फ्रैंडली स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय, जल संरक्षण एवं जन भागीदारी के प्रति जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन आदि।

प्रदेश में 3 लाख 74 हजार 877 लीटर वॉश नष्ट, कार्रवाई जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नंष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत 1 से 13 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 1294 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेष में देशी मदिरा 12 लाख 78 हजार 821 रूपए लागत की 4800 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा एक करोड़ 98 लाख 96 हजार 914 रूपए की 19801 लीटर, बीयर 3 लाख 79 हजार 240 रूपए की 1678 लीटर, स्प्रिट 20 लीटर एवं हथकड़ शराब 9191 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश 3 लाख 74 हजार 877 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बड़े वाहन 11, हल्के चार पहिया 3 एवं दुपहिया वाहन 41 सहित 55 वाहन जब्त करते हुए 537 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में अवैध शराब के विरूद्ध अभियान के तहत बुधवार रात्रि जोधपुर एवं पाली की संयुक्त कार्रवाई में मुखबिर की सूचना पर भारतमाला एक्सप्रेस–वे जोधपुर के औसियां में एक 12 चक्का ट्रक की तलाशी लेने पर 675 पेटी विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब फोर सेल इन चंडीगढ़ बरामद की गई। बरामद मदिरा की अनुमानित कीमत 58 लाख रूपए है। मौके से ट्रक चालक सहित 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई जारी है। इस विशेष कार्रवाई में जोधपुर के साथ जिला आबकारी अधिकारी पाली मनोज बिस्सा सहित मनोज ढाका, महेश शर्मा एवं आबकारी टीम जोधपुर की अहम भूमिका रही। इसी क्रम में प्रदेश के बांसवाड़ा जिले में संवेदनशील क्षेत्र भापोर, सिंहपुर एवं कुशलगढ़ में आबकारी निरोधक दल ने दबिश देकर 3 हजार लीटर वॉश सहित 2 भट्टियां नष्ट करते हुए मौके से 108 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद की। कार्रवाई में 6 अभियोग दर्ज किए। जयपुर में ईपीएफ थाना क्षेत्र चाकसू, चौमू के ग्राम सीतापुरा, बगड़गिया, ढूंढ नदी, त्रिलोकपुरा, दांतली एवं हसतेड़ा में दबिश देकर 200 लीटर वॉश एवं शराब बनाने के उपकरण नष्ट किए। कार्रवाई में 23 लीटर हथकड़ शराब जब्त की और पूर्व में फरार 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। धौलपुर में एक मोटरसाईकल सहित बीयर की 3 बोतल, बीयर केन 21 एवं देशी शराब के 23 पव्वे जब्त कर अभियोग दर्ज किया। डूंगरपुर में ईको कार से 12 कार्टन 72 बोतल किंगफिशर बीयर, रॉयल चेलेन्ज व्हीस्की के 6 पव्वे बरामद अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार किया। सागवाड़ा के मेडीटेंबा कडाना डेम बैकवाटर क्षेत्र में बुझावाड़ा टापू पर कार्रवाई कर 3500 लीटर वॉश नष्ट किया और 60 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की। चित्तौड़गढ़ में संवेदनशील कंजर बस्ती, पिपलिया में दबिश की कार्रवाई में 3 हजार लीटर वॉश सहित 8 पुरानी भट्टियां नष्ट की गई। अलवर के रामगढ़ आबकारी थाना क्षेत्र में कार्रवाई के तहत 5 हजार लीटर वॉश एवं 6 भट्टियां नष्ट करते हुए 130 लीटर हथकड़ शराब सहित 20 लीटर स्प्रिट जब्त किया। कार्रवाई में मौके से 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

असम सरकार में विभागों का हुआ बंटवाराः चार मंत्रियों के मिली अहम जिम्मेदारी, 26 मई के बाद होगा कैबिनेट विस्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गुवाहाटी

असम में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आज अपने मंत्रिमंडल के चार मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया। राजभवन की मंजूरी मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर विभागों की सूची जारी की गई। फिलहाल मंत्रिमंडल के विस्तार तक कई अहम विभाग मुख्यमंत्री अपने पास ही रखेंगे। मुख्यमंत्री सरमा के साथ शपथ लेने वाले चार मंत्रियों में भाजपा के रामेश्वर तेली और अजंता नियोग, एजीपी के अतुल बोरा और बीपीएफ के चरण बोरो शामिल हैं। इन चारों नेताओं को अलग-अलग सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश्वर तेली को श्रम कल्याण, चाय जनजाति और आदिवासी कल्याण व ट्रांसफॉर्मेशन एंड डेवलपमेंट विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पिछली सरकार में वित्त मंत्री रहीं अजंता नेओग को महिला एवं बाल विकास और पर्यटन विभाग सौंपा गया है। असम गण परिषद के नेता अतुल बोरा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, असम समझौता क्रियान्वयन, सीमा संरक्षण एवं विकास और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी मिली है। दूसरी ओर, चरण बोरो ने पिछली सरकार की तरह इस बार भी परिवहन और बोडोलैंड कल्याण विभाग अपने पास बरकरार रखा है। सरकार की ओर से कहा गया है कि मंत्रालय के विस्तार तक बाकी सभी विभाग मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के पास रहेंगे। सरमा ने बुधवार को संकेत दिया था कि विधानसभा के पहले सत्र के 26 मई को समाप्त होने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। राजनीतिक तौर पर भी इन नियुक्तियों को संतुलन साधने की कोशिश माना जा रहा है। रमेश्वर तेली चाय जनजाति समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, अजंता नेओग महिला चेहरा हैं, अतुल बोरा क्षेत्रीय असमिया समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि चरण बोरो बोडो आदिवासी समुदाय से आते हैं। गौरतलब है कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने हालिया विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड 102 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है। हिमंत बिस्व सरमा ने 12 मई को लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

ताइवान पर चीन की अमेरिका को सख्त चेतावनी, शी जिनपिंग बोले- गलत कदम से छिड़ सकता है संघर्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिका और चीन के बीच ताइवान को लेकर तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को साफ चेतावनी दी है कि अगर ताइवान के मुद्दे को सही तरीके से नहीं संभाला गया, तो दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि ताइवान का मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों की सबसे संवेदनशील और अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर इस मुद्दे को सावधानी और समझदारी से संभाला गया, तो दोनों देशों के रिश्तों में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन अगर इसमें दखल बढ़ा या गलत कदम उठाए गए, तो इससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ सकते हैं। शी जिनपिंग ने कहा कि अगर ताइवान के सवाल को ठीक से संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के संबंध स्थिर रहेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो टकराव और संघर्ष की आशंका बढ़ सकती है। जब पत्रकारों ने शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत के बारे में पूछा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि शानदार। लेकिन उन्होंने बस इतना ही कहा। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने ताइवान के बारे में चर्चा की थी। ट्रम्प ने शी जिनपिंग के साथ स्वर्ग मंदिर पहुंचने के बाद तस्वीरें खिंचवाते समय कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि, ट्रंप के चीन पहुंचने से पहले अमेरिका में स्थित चीन के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर अमेरिका को चेतावनी दी थी। चीन ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंधों में 'चार लाल रेखाएं' हैं, जिन्हें चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। चीन ने जिन चार मुद्दों को सबसे संवेदनशील बताया, उनमें ताइवान का सवाल, लोकतंत्र और मानवाधिकार, दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था और चीन के विकास का अधिकार शामिल हैं। चीन ने साफ संकेत दिया कि इन मुद्दों पर किसी भी तरह का दबाव या हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। ताइवान लंबे समय से वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को सैन्य और राजनीतिक समर्थन देता रहा है। यही वजह है कि यह मुद्दा दोनों महाशक्तियों के बीच तनाव का प्रमुख कारण बना हुआ है। इस अहम चेतावनी के बीच ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन के रिश्तों में व्यापार, तकनीक, टैरिफ, इंडो-पैसिफिक रणनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर पहले से तनाव बना हुआ है। शी जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत किया। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया, जिसके बाद ट्रंप ने अपने प्रतिनिधिमंडल का परिचय कराया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ भी इस बैठक में मौजूद रहे। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ऑनर गार्ड बटालियन ने ट्रंप को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

तमिलनाडु में महिला योजना पर सियासतः '2500 का वादा.. 1000 भी नहीं दे पा रही सरकारः स्टालिन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चेन्नई

तमिलनाडु में 'कलाइग्नार मगलीर उरिमाई थोगई' की मई महीने की किस्त में देरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि हर महीने 15 तारीख तक दी जाने वाली 1,000 की सहायता राशि अब तक क्यों जारी नहीं की गई। स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मई महीने की राशि 15 तारीख तक लाभार्थी महिलाओं के खातों में पहुंच जानी चाहिए थी। पहले से चल रही योजना को जारी रखने में अब देरी क्यों हो रही है आखिर किस तरह का पुनर्गठन किया जा रहा है उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा में एक दिन पहले ही सरकार ने दावा किया था कि द्रविड़ मॉडल सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी। स्टालिन ने तंज कसते हुए कहा कि 2,500 प्रति माह देने का वादा करने वाली सरकार अब 1,000 की राशि देने में भी देरी कर रही है। क्या यही आपका बदलाव है दरअसल, कलाइग्नार महिला अधिकार सहायता योजना पिछली डीएमके सरकार द्वारा शुरू की गई थी और इसका नाम दिवंगत डीएमके नेता व पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के नाम पर रखा गया था। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं, विजय सरकार ने स्पष्ट किया है कि लाभार्थी महिलाओं को मई महीने की किस्त जल्द जारी की जाएगी।

बंगाल के स्कूलों में वंदे मातरम गीत गाना अनिवार्य, सीएम शुभेंदु का बड़ा कदम, सख्ती से पालन करने का निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान वंदे मातरम् गीत गाना अनिवार्य करने का फैसला लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से जारी आधिकारिक निर्देश के मुताबिक यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी और राज्य के सभी छात्रों को स्कूल शुरू होने से पहले प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय गीत गाना होगा। विभाग ने सभी स्कूल प्रमुखों को निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

क्या दिए गए निर्देश?

13 मई को जारी आदेश में शिक्षा निदेशक ने स्पष्ट किया कि कक्षाएं शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा में वंदे मातरम् गीत का गायन अनिवार्य बनाया जाए ताकि राज्य के सभी स्कूलों में सभी छात्र राष्ट्रीय गीत गाएं। अधिकारियों के मुताबिक स्कूलों को इसके पालन का वीडियो रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने के लिए कहा गया है, ताकि इसे लागू किए जाने का प्रमाण उपलब्ध रहे। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, अगले सोमवार से राज्य के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् को प्रार्थना गीत के रूप में शुरू किया जाएगा। मैं आज नबन्ना जाकर इसकी जानकारी दूंगा। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान से जुड़े कानूनों को और मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन की तैयारी कर रही है, जिसके तहत वंदे मातरम् के गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सरकार का यह कदम राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर अहम माना जा रहा है।

अब तक राज्य के स्कूलों में गाए जाता था राष्ट्रगान

अब तक राज्य के स्कूलों में मुख्य रूप से राष्ट्रगान जन-गण-मन गाया जाता था, जिसे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा था। इसके अलावा पिछले कुछ वर्षों में राज्य की पूर्व तृणमूल कांग्रेस सरकार ने 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध के दौरान टैगोर द्वारा लिखे गए 'बांग्लार माटी बांग्लार जल' को राज्य गीत के रूप में शामिल किया था। अब बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् भी प्रार्थना सभा का स्थायी हिस्सा बनेगा। इस फैसले के बाद कुछ शिक्षक संगठनों और स्कूल प्रशासन की ओर से व्यावहारिक सवाल भी उठाए गए हैं। उनका कहना है कि सीमित समय वाली स्कूल असेंबली में राष्ट्रगान, राज्य गीत और राष्ट्रीय गीत तीनों को किस क्रम में और कितनी अवधि में गाया जाएगा, इस पर अभी और स्पष्टता की जरूरत है। हिंदू स्कूल के प्रधानाध्यापक शुभ्रजीत दत्ता ने कहा कि गर्मी की छुट्टियों के बाद जब छात्र स्कूल लौटेंगे, तब वे जन-गण-मन के साथ वंदे मातरम् भी गाएंगे। उन्होंने बताया कि छात्रों को पहले ही वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर इसके ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी दी जा चुकी है और उन्हें इसकी पंक्तियां याद करने के लिए कहा गया था। वहीं वामपंथी शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्या सभी गीत रोज गाए जाएंगे और उन्हें मौजूदा प्रार्थना सभा के ढांचे में किस तरह शामिल किया जाएगा। हालांकि सरकार ने फिलहाल आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

यूनिफॉर्म में हिजाब की मंजूरी पर विवाद, बीजेपी बोली-कांग्रेस धार्मिक विभाजन को बढ़ावा दे रही

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बंगलूरू

कर्नाटक सरकार की ओर से 2022 के यूनिफॉर्म आदेश को वापस लेने और स्कूलों-कॉलेजों में हिजाब समेत सीमित धार्मिक प्रतीकों की अनुमति देने के फैसले पर सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए कांग्रेस सरकार पर वोट बैंक की राजनीति करने और शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक आधार पर विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया है। भाजपा विधायक महेश तेंगिंकाई ने कहा कि राज्य सरकार का यह फैसला गंभीर गलती है और इसकी कोई मांग नहीं थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार स्कूलों और कॉलेजों में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदायों के बीच अनावश्यक विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। तेंगिंकाई ने कहा कि 2022 में जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब अदालतों ने भी ड्रेस कोड को सख्ती से लागू करने के पक्ष को सही ठहराया था। उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों के बीच धार्मिक पहचान के आधार पर भेद पैदा कर सरकार आखिर क्या हासिल करना चाहती है। उनके मुताबिक, स्कूल और कॉलेज शिक्षा के केंद्र होने चाहिए, न कि धार्मिक पहचान दिखाने की जगह।

इस मुद्दे पर आंध्र प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शेख बाजी ने भी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह फैसला वोट बैंक राजनीति से प्रेरित है और इससे बच्चों को धर्म के आधार पर अलग-अलग समूहों में बांटा जाएगा। वहीं कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में यूनिफॉर्म का उद्देश्य समानता और एकरूपता बनाए रखना होता है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी धर्म के आधार पर पहचान नहीं दिखनी चाहिए। नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि सरकार अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग नियम बना रही है, जिससे भविष्य में टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसले समाज में और ज्यादा संवेदनशीलता और विभाजन को जन्म दे सकते हैं। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने 5 फरवरी 2022 के उस आदेश को वापस ले लिया है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में केवल निर्धारित यूनिफॉर्म पहनने पर जोर दिया गया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट में बतौर वकील पेश हुईं ममता बनर्जी, चुनाव के बाद हिंसा मामले में पूर्व सीएम ने की बहस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में एक वकील के तौर पर पेश हुईं। वह हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद हुई हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका पर बहस करने के लिए पहुंची थीं। इसके बाद जब ममता बनर्जी जब अदालत से बाहर आईं तो उनके खिलाफ नारे लगाए गए। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति को तुरंत संभाल लिया। तृणमूल कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा - हमारी माननीय अध्यक्ष ममता बनर्जी आज स्वयं कलकत्ता उच्च न्यायालय पहुंचीं, ताकि वे बंगाल भाजपा द्वारा बंगाल में फैलाई गई व्यापक चुनाव के बाद हिंसा से संबंधित मामले में अपनी बात रख सकें। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कौन सी बात उन्हें दूसरों से अलग बनाती है -वे बंगाल की जनता को उनकी जरूरत के समय कभी नहीं छोड़तीं। वे सत्य, न्याय और संवैधानिक मूल्यों के लिए लड़ना कभी नहीं छोड़तीं। और बार-बार, वे अतुलनीय करुणा, साहस और दृढ़ विश्वास के साथ नफरत की राजनीति से ऊपर उठ खड़ी होती हैं। चाहे एसआईआर के अन्याय का सामना करना हो या भाजपा के अनियंत्रित आचरण के खिलाफ मजबूती से खड़े रहना हो, वे लगातार यह साबित करती हैं कि आज देश में उनके जैसा कोई नेता नहीं है। ममता बनर्जी के अदालत पहुंचने से राजनीतिक और कानूनी हलकों में हलचल तेज हो गई। अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। ममता बनर्जी ने वकीलों की तरह काला कोट और सफेद बैंड पहनकर कोर्ट में एंट्री की, जिसने सबका ध्यान खींचा। यह पीआईएल कलकत्ता हाईकोर्ट के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता तथा चार बार के तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के बेटे सिरसन्या बनर्जी ने दायर की थी। सिरसन्या बनर्जी हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में हुगली जिले की उत्तरपारा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार थे। हालांकि, उन्हें भाजपा उम्मीदवार और पूर्व एनएसजी कमांडेंट दीपंजन चक्रवर्ती ने 10,000 से अधिक वोटों के अंतर से हरा दिया था। कलकत्ता हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई पहले से ही काफी चर्चाओं में रही है, क्योंकि चुनाव बाद हिंसा के आरोपों को लेकर राज्य की राजनीति लंबे समय से गरमाई हुई है। विपक्ष लगातार टीएमसी सरकार पर निशाना साधता रहा है, जबकि टीएमसी इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताती रही है। बता दें कि, इस साल की शुरुआत में, ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई थीं। उस दिन उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने संक्षेप में अपनी बात भी रखी थी। हालांकि उस मामले में वह वकील के तौर पर पेश नहीं हुई थीं।

संवैधानिक शक्तियों का सही इस्तेमाल न होने से बढ़ रही हिंसा', कांग्रेस का केंद्र-राज्य सरकार पर हमला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा इंफाल

मणिपुर में लगातार जारी हिंसा को लेकर कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस का आरोप है कि दोनों सरकारें संवैधानिक शक्तियों का सही तरीके से इस्तेमाल करने में विफल रही हैं, जिसकी वजह से राज्य में अशांति और हिंसा का माहौल बना हुआ है। बुधवार को कांगपोकपी जिले में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा तीन चर्च नेताओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, नोनी जिले में भी एक व्यक्ति की हत्या की खबर सामने आई। इन घटनाओं के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। गुरुवार को इम्फाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह ने कहा कि राज्य में हो रही हत्याएं बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि एक समुदाय के तीन लोगों की हत्या के बाद दूसरे समुदाय के नागरिक की हत्या प्रतिशोध की भावना को दर्शाती है। इबोबी सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर कब तक केंद्र सरकार राज्य में हो रही हिंसक घटनाओं पर मूकदर्शक बनी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा प्रतीत होता है मानो राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया गया है और विभिन्न समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ हिंसा करने की खुली छूट मिल गई हो। इबोबी सिंह ने वर्ष 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी पहले यह टिप्पणी कर चुका है कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि समुदायों के बीच हत्याओं से कभी समाधान नहीं निकल सकता और अब बदले की भावना छोड़ने का समय आ गया है। कांग्रेस नेता ने दोहराया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन राज्य और केंद्र दोनों सरकारें अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर पा रही हैं। यही मौजूदा अशांति और हिंसा की सबसे बड़ी वजह है। गौरतलब है कि मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जारी हिंसा में अब तक करीब 260 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं ने राज्य में शांति बहाली की कोशिशों को भी बड़ा झटका दिया है।

महाराष्ट्र में फिजूलखर्ची पर लगामः बाबुओं के विदेश दौरों पर रोक, रैलियों को मंजूरी नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में फिजूलखर्ची रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। पश्चिम एशिया के संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अपील की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने नए निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव राजेश कुमार ने 13 मई को एक सर्कुलर जारी किया। इसमें सभी विभागों, जिला कलेक्टरों और नगर आयुक्तों को खर्च कम करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने अधिकारियों के सभी विदेशी दौरों को रद्द कर दिया है। फिलहाल किसी भी नए विदेशी दौरे की योजना नहीं बनाई जाएगी। ईंधन बचाने के लिए पुलिस को निर्देश मिले हैं कि वे बाइक रैलियों, वाहन जुलूसों या बड़े काफिलों को अनुमति न दें। अधिकारियों से कहा गया है कि वे सरकारी काम के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें। वरिष्ठ अधिकारियों को हफ्ते में कम से कम एक बार मेट्रो, लोकल ट्रेन या बस से सफर करना होगा। फील्ड विजिट के दौरान कम से कम गाड़ियों का उपयोग करने और कारपूलिंग अपनाने की सलाह दी गई है। सरकारी बैठकों और ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए भी नए नियम बने हैं। अब ये बैठकें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होंगी। कॉलेजों और यूनिवर्सिटी को भी ऑनलाइन कार्यक्रम करने को कहा गया है। बिजली बचाने के लिए दफ्तरों में एयर कंडीशनर का तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच रखना होगा। दफ्तर के बाद बिजली के उपकरण बंद करने और प्राकृतिक रोशनी का ज्यादा इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं।

एस जयशंकर बोले- वैश्विक स्थिरता के लिए अहम

बदलती विश्व व्यवस्था के बीच ब्रिक्स पर टिकी दुनिया की नजर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक हालात, आर्थिक चुनौतियों और बदलती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के बीच ब्रिक्स की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। बैठक में अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा कि दुनिया इस समय काफी अनिश्चित और जटिल दौर से गुजर रही है, जहां लगातार संघर्ष, आर्थिक अस्थिरता, व्यापार और तकनीक से जुड़ी चुनौतियां वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में उभरते बाजारों और विकासशील देशों की उम्मीदें ब्रिक्स से बढ़ी हैं और संगठन से वैश्विक स्थिरता में रचनात्मक और संतुलनकारी भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है। विदेश मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच यह बैठक सिर्फ औपचारिक संवाद नहीं, बल्कि वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचार साझा करने और साझा रणनीति विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और कूटनीतिक संवाद पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। जयशंकर ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में अब तक 80 से अधिक ब्रिक्स बैठकों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें सभी सदस्य देशों ने सक्रिय भागीदारी की है। इन बैठकों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने और संवाद को आगे बढ़ाने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स को अधिक समावेशी और सहयोगात्मक मंच बनाने के लिए साझेदार देशों के साथ लगातार संपर्क और संवाद बनाए हुए है। उन्होंने ब्रिक्स के संस्थागत विकास और नए सदस्य देशों के एकीकरण को भी अहम बताया। जयशंकर ने कहा कि संगठन के विस्तार के साथ उसके मौजूदा ढांचे और तंत्र को अपडेट करने पर चर्चा आगे बढ़ाई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिक्स की सुचारु प्रगति के लिए जरूरी है कि नए सदस्य देश संगठन की साझा सहमति, प्राथमिकताओं और मूल सिद्धांतों को पूरी तरह समझें और उनका समर्थन करें। विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर विकास से जुड़े मुद्दे अब भी बड़ी चिंता बने हुए हैं। कई देश ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य संकट, उर्वरक उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स इन देशों को प्रभावी समाधान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जयशंकर ने आर्थिक मजबूती और सप्लाई चेन की विश्वसनीयता पर भी जोर दिया।

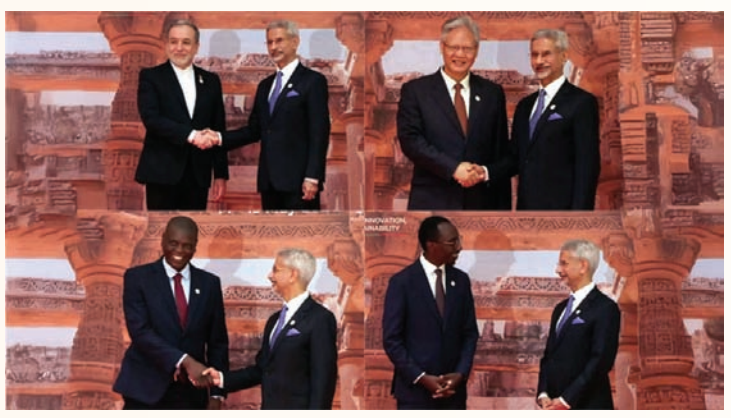

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा